PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 243 ● भिलाई, सोमवार 06 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

छठी बार मां बनीं सीमा हैदर ने नवजात बेटे का रखा ये खास नाम

नोएडा। पाकिस्तान से भागकर भारत आईं सीमा हैदर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। फरवरी 2026 में छठी बार मां बनीं सीमा और उनके पति सचिन मीणा ने अपने नवजात बेटे का पूरे रीति-रिवाज के साथ नामकरण संस्कार किया। ग्रेटर नोएडा के रबुपुरा स्थित अपने निवास पर आयोजित इस समारोह में कपल ने बेटे का नाम 'भारत' रखा है। इस नाम को लेकर माना जा रहा है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान को जरूर मिर्ची लगेगी। इस खास मौके पर सीमा ने हिंदू धर्म की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्हें हिंदू होने पर बहुत गर्व महसूस होता है। बेटे का नाम भारत रखने के पीछे की दिलचस्प वजह का खुलासा करते हुए सीमा हैदर ने बताया कि नामकरण के दौरान पंडित जी ने जब 'भ' अक्षर निकाला, तो उन दोनों को लगा कि 'भारत' से सुंदर दुनिया में और कोई नाम हो ही नहीं सकता, इसलिए उन्होंने तुरंत यही नाम तय कर लिया। हिंदू धर्म की परंपराओं और खूबसूरती का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब घर में बेटा होता है तो नामकरण किया जाता है और यह उनका दूसरा कुआं पूजन है।

अमृतसर पुलिस ने आईईडी और अन्य संदिग्ध सामग्री के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर देहाती पुलिस ने आईईडी और अन्य संदिग्ध सामग्री के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर पाकिस्तान से जुड़े तस्करों के संपर्क में था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरमन सिंह पुत्र मेजर सिंह, निवासी गांव उमरपुरा, तहसील अजनाला के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने फरवरी 2026 में पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के निर्देश पर आईईडी और अन्य विस्फोटक सामग्री प्राप्त की थी। पुलिस को शक है कि वह किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। यह कार्रवाई सीआईए टीम अमृतसर देहाती और थाना अजनाला पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए ऑपरेशन के दौरान की गई।

दिल्ली में कुख्यात बदमाश गंजा का एनकाउंटर, 75 से ज्यादा अपराधों में था वॉन्टेड

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बदरपुर इलाके में दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस को स्पेशल टास्क फोर्स को बड़ी सफलता मिली है। देर रात पुलिस और एक बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी मोहम्मद सलीम उर्फ 'गंजा' घायल हो गया। गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नासिर और दानिश पहलवान गिरोह का सक्रिय सदस्य मोहम्मद सलीम किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से बदरपुर आने वाला है।

कूचबिहार में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी, बोले-पापों का होगा हिसाब

बंगाल चुनाव-लूटा हुआ पैसा जनता को लौटाना ही पड़ेगा...

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वह पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान के दिन टीएमसी के गुंडे चाहे जितना डराने की कोशिश करें, आपको कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस चुनाव में बंगाल से डर का माहौल खत्म हो जाएगा और भाजपा की बड़ी जीत से लोगों में आत्मविश्वास जागेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, 4 मई के बाद टीएमसी के पापों का पूरा हिसाब होगा। कानून अपना काम करेगा और कोई भी गुंडा कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को 'लखपति दीदी' बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही

बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है। कूचबिहार से प्रधानमंत्री ने देश के सभी राज्यों को एक और बड़ा भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है, उन्हें सीटों के मामले में कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सभी राज्यों की भागीदारी और उनके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सरकार चाहती है कि संसद में इस बात पर पक्की मुहर लगे कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिल सके। प्रधानमंत्री ने मालदा की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि वहां जिस तरह न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया, उससे पूरा देश हैरान है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस राज्य में जज और कानूनी प्रक्रिया ही सुरक्षित नहीं है, वहां आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? मोदी ने इसे सरकार के संरक्षण में चलने वाला जंगलराज करार दिया। महिला आरक्षण बिल पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का विषय है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं के अधिकारों के लिए एक साथ आएं।

मोदी ने पक्का घर और जमीन के मालिकाना हक का भरोसा

कूचबिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बार बंगाल में एक ओर तृणमूल कांग्रेस का भय है और इसका मुकाबला करने के लिए आपके पास भाजपा का भरोसा है। एक ओर टीएमसी के 'कट मनी' और 'करप्शन' का भय है। दूसरी ओर विकास को तेज रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक ओर घुसपैठ कराकर, विदेशियों को यहां बसाने का भय है। दूसरी ओर घुसपैठ रोक कर सारे घुसपैठियों को बंगाल से बाहर करने का भाजपा का भरोसा है। एक ओर बदलती जनसांख्यिकी से अपनी ही जमीन पर आजादी छिनने का भय है। दूसरी ओर अपनी माटी पर गर्व के साथ सिर उठाकर जीने का, अटल भरोसा देने वाली भाजपा है।

भारद्वाज ने स्क्रीनशॉट के साथ खोल दी पोल

सांसद राघव चड्ढा ने मोदी विरोधी सारे पोस्ट हटाए...

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि राघव चड्ढा ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल 'एक्स' से उन सभी पुरानी पोस्ट्स को हटा दिया है जिनमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की आलोचना की थी। सौरभ भारद्वाज ने यह भी कहा कि आप नेताओं द्वारा साझा किए गए राघव चड्ढा के कई ट्वीट्स भी अब उनके अकाउंट से गायब हैं। इसके साथ ही सौरभ ने अपने एक्स अकाउंट पर राघव चड्ढा से जुड़ी कुछ पोस्ट्स के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए हैं। सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि, राघव चड्ढा ने अपने ङ्क टाइमलाइन को पूरी तरह साफ कर दिया है। मोदी या भाजपा के खिलाफ जितनी भी पुरानी आलोचनात्मक पोस्ट्स थीं।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता नड्डा तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के बाहर पुजारियों और पार्टी समर्थकों के साथ एक तस्वीर में।

बिहार में खेला शुरू!

नीतीश की राज्यसभा शपथ की तारीख तय

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद राज्य विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया है। इसी के साथ ही अब वह बिहार की राजनीति की बागडोर छोड़कर दिल्ली की राजनीति में नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। बिहार बीजेपी नेता संजय सरावगी ने रविवार को पुष्टि की कि मौजूदा मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के प्रमुख नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के रूप में औपचारिक रूप से शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद सरावगी ने नए मंत्रिमंडल के गठन के लिए रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसमें वरिष्ठ पार्टी नेतृत्व और गठबंधन सहयोगियों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, हमारी भारतीय जनता पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व और एनडीए एक साथ बैठकर इस पर निर्णय लेंगे।

असम की सरकार दिल्ली से चल रही

असम का मुख्यमंत्री भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री-राहुल.....

असम/ एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला। विश्वनाथ जिले में आयोजित विशाल जनसभा में उन्होंने मुख्यमंत्री को भारत का 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' करार देते हुए आरोप लगाया कि सरमा राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग कर अपने करीबियों को फायदा पहुंचा रहे हैं। राहुल गांधीने कहा कि मुख्यमंत्री की बयानबाजी उनकी हताशा और भविष्य की चिंता का संकेत है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर नफरत फैलाने और असम की संस्कृति एवं भाईचारे को नुकसान पहुँचाने का आरोप भी लगाया। राहुल ने अपने 'बब्बर शेर' मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता गौरव गोगई जैसे कार्यकर्ता उन्हें जेल भेजने के लिए तैयार हैं और जब कांग्रेस की सरकार आएगी, तो उन्हें जनता और नेताओं से माफी मांगनी होगी। असम के ष्टर हिमंता बिस्वा सरमा के करप्शन की पूरी जानकारी नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पास है। असम को दिल्ली से चलाया जा रहा है। जो नरेंद्र मोदी और अमित शाह कहते हैं- हिमंता वही करते हैं। हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने करप्शन में पूरे परिवार को भी शामिल कर लिया है, जिससे अब वो भी फंसेंगे। कानूनी कार्रवाई से कोई नहीं बचने वाला। राहुल ने आरोप लगाया कि असम सरकार नफरत की राजनीति कर असली मुद्दों जैसे बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटका रही है।

मौत की नींद सुला गई एक झपकी तेज रफ्तार कार नहर में समाई

पंढरपुर। महाराष्ट्र के पंढरपुर क्षेत्र मे एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। मालशिरस तहसील में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सीधे नीरा दाहिनी नहर में जा गिरी। इस भीषण सड़क हादसे में कार में सवार तीन लोगों की पानी में डूबने से मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि कार चला रहे व्यक्ति को अचानक नींद की झपकी आ गई थी, जिसके कारण स्टीयरिंग से उसका नियंत्रण हट गया और यह खौफनाक हादसा हो गया। मरने वाले सभी लोग मुंबई के रहने वाले थे और इस घटना के बाद उनके परिवारों में कोहराम मच गया है।

यह सरकार बदलने का नहीं

अब केरल में एनडीए सरकार बनाने की बारी- अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल के एर्नाकुलम में रविवार को गृह मंत्री अमित शाह ने एक जनसभा का संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को जो चुनाव होने वाला किसी की सरकार बदलने का चुनाव नहीं है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सरकार बदलकर एनडीए की सरकार लाने का चुनाव नहीं है। यह चुनाव केरल के भविष्य को सुनिश्चित और सुनहरा करने का है। केरल की जनता यूडीएफ को हटाकर एलडीएफ को सत्ता में लाई फिर एलडीएफ को सत्ता से हटाकर यूडीएफ को लाई। दोनों पार्टी की सरकारों ने भ्रष्टाचार किया। गृह मंत्री ने आगे कहा कि केरल को आगे बढ़ाना है तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनानी है। भारत में सबसे पहले केरलम के लोग सबसे ज्यादा शिक्षित हुए, यहां के युवा बुद्धिमान हैं। लेकिन उनके पास नौकरी नहीं है। नौकरी करने के लिए गल्फ देशों और दुनिया भर के देशों में जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे केरलम की रचना करना चाहते हैं कि यहां के युवाओं को केरलम में ही शत-प्रतिशत नौकरी मिले। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूरी दुनिया में परिवर्तन आ रहा है। एलडीएफ कम्युनिस्ट पार्टी पूरी दुनिया में समाप्त हो गई है और यूडीएफ जिसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है वो पूरे देश में समाप्त हो रही है। पूरा देश आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है।

ईरान का बड़ा दावा

अमेरिका ने खोए दो हेलीकॉप्टर और दो ट्रांसपोर्ट विमान,5 की मौत

तेहरान/ एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध लगातार तेज होता दिख रहा है। ईरान की ओर से लगातार अमेरिका विमानों को मार गिराने का दावा किया जा रहा है। रविवार को ईरान की ओर से अमेरिकी विमानों को तबाह करने के सबूत जारी किए हैं। ईरानी न्यूज एजेंसी ने अमेरिका विमानों के मलबे की तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं। ईरान का दावा है कि उसने इस्फहान इलाके में अमेरिकी सैन्य मिशन के दौरान दो ब्लैकहॉक हेलिकॉप्टर और दो सी-130 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को मार गिराया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से तस्वीरें और वीडियो जारी किए गए हैं। आईआरजीसी के मुताबिक, यह कार्रवाई इस्फहान के दक्षिणी इलाके में की गई। आईआरजीसी ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना डाउन हुए पायलट को बचाने के लिए ऑपरेशन चला रही थी, लेकिन इस दौरान उसके एयरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। इससे पहले ईरानी मीडिया एक विमान गिराने की बात कह चुका था, लेकिन अब आईआरजीसी ने चार एयरक्राफ्ट तबाह करने का दावा किया है। इसके अलावा ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने एक्स पर अमेरिकी विमान के कथित मलबे की तस्वीर शेयर की है। इन तस्वीरों में भी विमानों मलवा बिखरा हुआ दिख रहा है। इससे पहले ईरानी मीडिया ने दावा किया था कि लापता अमेरिकी पायलट की तलाश में भेजे गए मिशन के एक विमान को निशाना बनाया गया। ईरान इससे पहले भी अमेरिकी

एफ-15 और ए-10 जैसे विमानों को गिराने का दावा कर चुका है। फिलहाल, अमेरिकी पक्ष ने इस नए दावे या तस्वीर पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ईरान के दावों के इतर द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को उड़ा दिया, ताकि उनकी तकनीक ईरान के हाथ न लगें। इसके अलावा ईरान की सेना ने दावा किया है कि उसने इस्फहान प्रांत में 2 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन और इस्राइल के हर्मीस-900 ड्रोन को मार गिराया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि पिछले 24 घंटों में उनके क्षेत्र में कई विदेशी विमानों को तबाह किया है। ईरान में फंसे एफ-15ई के एक क्रू सदस्य, जिनकी पहचान हथियार प्रणाली अधिकारी के तौर पर हुई है, उन्हें बचाने के लिए सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) की तरफ से एक खुफिया डिसेप्शन कैंपेन यानी ध्यान भटकाने का अभियान चलाया गया था। सीआईए ने इंटरनेट, अपने खुफिया स्रोतों और मानवीय मदद से ईरान के अंदर जानबूझकर यह अफवाह फैला दी कि अमेरिकी बलों ने लापता हुए दूसरे वायुसैनिक को पहले ही खोज लिया है और वे उसे जमीनी रास्ते से देश से बाहर निकालने यानी एक्सफिल्ट्रेट करने की प्रक्रिया में हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन को बताया 'साहसी'

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस रेस्क्यू ऑपरेशन की सराहना करते हुए इसे 'साहसी' बताया है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने दुश्मन की सीमा के अंदर फंसे एक बेहद सम्मानित कर्नल को सुरक्षित बचा लिया है। हालांकि ट्रंप ने विमानों के नुकसान की पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना अपने किसी भी योद्धा को पीछे नहीं छोड़ेगी। उनके अनुसार, यह सैन्य इतिहास में पहली बार है जब दो पायलटों को अलग-अलग ऑपरेशन में दुश्मन के इलाके से निकाला गया है। तनाव की शुरुआत शुक्रवार को हुई थी जब ईरान ने अमेरिका के एक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट को मार गिराने का दावा किया था। यह 4.5 जनरेशन का दो सीटों वाला विमान था। इसके बाद अमेरिका ने बड़े पैमाने पर रेस्क्यू मिशन शुरू किया। ईरान का दावा है कि इस दौरान अमेरिका ने न केवल हेलीकॉप्टर और परिवहन विमान खोए।

गर्मी व लू से बचाव के लिए प्रशासन की एडवाइजरी,

लू के लक्षण और इससे बचाव के उपाय बताने आयोजित होंगे जन जागरूकता कार्यक्रम

- 'लू कार्य योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभिन्न विभागों को मिली जिम्मेदारियां, गर्मी में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी सावधानियां, लू लगने पर तुरंत क्या करें?

दुर्ग। ग्रीष्म ऋतु वर्ष 2026 को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये गये हैं। जिसमें लू के लक्षण, लू से बचाव के उपाय, प्रारंभिक उपचार और आवश्यक सावधानियां संबंधी आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को लू के लक्षण, लू से बचाव, लू लगने पर प्रारंभिक उपचार हेतु जनसमुदाय में जागरूकता लाने व प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में लू से प्रभावित मरीजों का प्राथमिकता से परीक्षण करने के निर्देश भी दिये गये है। साथ ही जिले के संबंधित सभी विभागों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लू बचाव/उपाय के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। लक्षण- सिर से भारीपन और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना तथा बेहोश होना।

बचाव के उपाय- लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी से ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतया नमक की कमी हो जाना होता है। अतः इससे बचाव के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- बहुत अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाए। धूप से निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें। पानी अधिक मात्रा में पीये और अधिक समय तक धूप में न रहें। गर्मी के दौरान नरम मुलायम सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे। इसी प्रकार अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से निःशुल्क परामर्श लिया जाए और उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह लिया जाए।

लू लगने पर किये जाने वाला प्रारंभिक उपचार- बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी लगावें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावें जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवें, शरीर पर ठण्डे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाए तथा मितानिन ए.एन.एम. से ओ.आर.एस. के पैकेट हेतु संपर्क करें।

क्या करें- जितना हो सके पर्याप्त पानी पीये, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर से संबंधित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो, तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहने। ओ.आर.एस. (ओरल रिहाइड्रेशन) घोल, घर का बना पेय लस्सी, (तोरानी चावल) का पानी, नींबू का पानी, छाछ आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचे, यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपड़े/टोपी या छाता) और चेहरे को कवर करें। जहां तक संभव हो किसी भी सतह को छूने से बचें।

क्या न करें- गर्मी के दौरान बाहर न जाए, यदि आपको आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना है तो दिन के शीतलन घंटो के दौरान अपनी सारणी निर्धारित करने का प्रयास करें। अत्यधिक गर्मी के घंटो के दौरान बाहर जाने से बचे (विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच), नंगे पैर या बिना चेहरे को ढके और बिना सिर ढककर बाहर न जाए। व्यस्ततम समय (दोपहर) के दौरान खाना पकाने से बचे, खाना पकाने वाले क्षेत्रों (रसोई घरों) में दरवाजे और खिड़कियां खोल कर रखें, जिससे पर्याप्त रूप से हवा आ सके। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड पेय, पीने से बचे जो शरीर को निर्जलित करते है। उच्च प्रोटीन, मसालेदार और तैलीय भोजन खाने से बचे, बासी खाना न खाए। बीमार होने पर बाहर धूप में न जाए, घर पर रहे।

अन्य सावधानियां- जितना हो सके घर के अंदर रहें। अपने घर को ठंडा रखें-धूप से बचाव के लिए दिन में पर्दे, शटर का उपयोग करें और खिड़कियां खोलें। निचली मंजिलों पर बने रहने का प्रयास करें। पंखों का उपयोग करें, कपड़ों को नम करें और अधिक गर्मी में ठंडे पानी में ही स्नान करें। यदि आप बीमार महसूस करते हैं-उच्च बुखार/लगातार सिरदर्द/चक्कर आना/मतली या भटकाव/लगातार खांसी/सांस की तकलीफ है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाये। जानवरों को छाया में रखे और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दें। इन उपायों का उपयोग कर लू एवं हीटवेव के प्रभाव से बचा जा सकता है।

वरिष्ठ नागरिकों और फील्ड स्टाफ के लिए निर्देश- वृद्धजनों और धूप में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के लिए भी विशेष रूप से गाइडलाइन जारी की गई है।

तहसील स्तरीय विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह की तैयारी जोरों पर

पाटन। तहसील स्तरीय विशाल कर्मा जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर तहसील साहू संघ पाटन, परिक्षेत्रीय साहू संघ जामगांव (आर) एवं इकाई साहू समाज भरर के संयुक्त नेतृत्व में 99 इकाइयों एवं पांचों परिक्षेत्रों के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में महिला एवं पुरुषों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही तथा सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एकजुटता का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने कहा कि आप सभी की एकता ही इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सदस्य द्वारा 5 किलो चावल एवं 50 की सहयोग राशि से कार्यक्रम को भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने 99 इकाइयों एवं पांचों परिक्षेत्रों के पदाधिकारियों से सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि 25 अप्रैल को 1010 कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जिसके पश्चात महिला सम्मेलन एवं तेल-माटी, चूलमाटी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 26 अप्रैल को भक्त माता कर्मा की महाआरती, बारात स्वागत, अतिथि आगमन एवं सामूहिक विवाह संपन्न होंगे। इसके बाद सम्मान समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। जामगांव (आर) के परिक्षेत्रीय अध्यक्ष पारखत साहू ने अपने संबोधन में कहा कि भरर में आयोजित यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा, जिसमें 99 इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने सभी से पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया। यह आयोजन 25 एवं 26 अप्रैल को भक्त माता कर्मा की 1010वीं जयंती एवं सामूहिक आदर्श विवाह महाकुंभ के रूप में मनाया जाएगा, जो समाज के लिए गौरव का विषय है। बैठक को जिला साहू संघ के महासचिव अश्वनी साहू, तहसील महासचिव महेंद्र साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया।

और कार्यक्रम को सफल बनाने के साथ-साथ सामूहिक विवाह हेतु वर-वधू पक्ष से सकारात्मक संवाद करने की अपील की।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान पर दरबार मोखली मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

पाटन। भाजपा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का मंडल स्तरीय कार्यशाला पाटन के देवांगन भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने भाजपा ध्वज के ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि एवं वक्ता पाटन विधानसभा प्रभारी एवं चेयरमेन राजीव अग्रवाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक जी रहें। प्रथम सत्र में वक्ता राजीव अग्रवाल जी ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। दूसरे सत्र में वक्ता के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक जी ने कार्यविस्तार विषय पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन किया।द्वितीय दिवस का शुभारंभ तृतीय सत्र के वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती उषा टावरी जी ने कार्यपद्धति विषय पर अपना विचार और मार्गदर्शन किया। चतुर्थ सत्र के वक्ता ओ. बी. सी. मोर्चा के जिला अध्यक्ष तेखन सिंह जी ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान किया। पंचम सत्र के वक्ता प्रदेश प्रकोष्ठ के सह संयोजक राकेश साहू ने सोशल मीडिया, ऐआई, नमो ऐप, सरल ऐप, डिजिटल प्लेटफार्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा किया। षष्ठम सत्र के वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी ने बूथ प्रबंधन विषय पर मार्गदर्शन किया। सप्तम सत्र पर मनोज शर्मा जी ने सरकार की उपलब्धि विषय पर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को बताया। अष्टम सत्र समापन सत्र के वक्ता भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू ने छत्तीसगढ़ के इतिहास विषय पर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन किया। समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिंहा जी, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू, पाटन नगर पंचायत के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले सहित अतिथि मौजूद रहें। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की विचारधारा, सेवा और समर्पण राष्ट्र प्रथम के भाव लेकर संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण और प्रथम सत्र की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष ज्योति प्रकाश साहू ने किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री एवं मंडल प्रशिक्षण संयोजक डॉ.सुरेश साहू एवं किसान मोर्चा अध्यक्ष पारखत साहू ने किया। कार्यक्रम का आभार महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष चंद्रिका साहू ने किया। इस अवसर पर मंडल प्रभारी दिव्या कलिहारी, जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक,वरिष्ठ भाजपा नेता पोसुराम निर्मलकर, मंडल महामंत्री भागवत सिंहा,पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक संदीप बंछोर, मंडल प्रशिक्षण टोली सदस्यगण सरिता साहू,भोजेंद्र साहू,युवा मोर्चा अध्यक्ष पुष्कर साहू, ओ बी सी मोर्चा अध्यक्ष दानी राम वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता साहू, उपाध्यक्ष आशीष बंछोर, कोषाध्यक्ष राजू वर्मा, तरुण चंद्राकर सोशल मीडिया प्रभारी,संजय चंद्राकर, वासु वर्मा, योगेंद्र साहू, दुर्गा वर्मा, रामसुमेर ठाकुर, भास्कर वर्मा, संगीता शर्मा, योगेश्वरी सिंहा, मंजू साहू, बलवंत वर्मा, बलभद्र वर्मा, तेजेंद्र पिपरिया, संतोष घिरवानी,पिंशु महलिंगे,योगेश साहू, दानेश्वर साहू, तुकेश निर्मल, प्रेमलाल साहू, चित्रसेन साहू,मनेंद्र वैष्णव नम्मू यादव, महेंद्र यदु,रामचंद्र वर्मा,रमेश बंछोर,भगवान सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन की तिथि संशोधित, अब 10 अप्रैल 2026 तक कर सकतें है ऑनलाइन आवेदन

दुर्ग। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी अनुसार भारतीय थल सेना में अग्निवीर की भर्ती 2027 के लिये अधिसूचना जारी कर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 01 अप्रैल 2026 निर्धारित थी जिसे संशोधित कर 10 अप्रैल 2026 किया गया है। जिले के योग्य एवं इच्छुक आवेदक अग्निवीर भर्ती 2026-27 हेतु शीघ्र ऑनलाईन आवेदन जमा करें। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जा कर अग्निवीर की भर्ती हेतु जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेड्समैन (08वीं - 10 वीं पास) महिला सैन्य पुलिस नर्सिंग सहयोगी और सिपाही ट्रेडसमैन के पदो के लिए अपनी योग्यतानुसार 10 अप्रैल 2026 रात्रि 11.59 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। इस बार के अभ्यर्थी अग्निवीर के दो पदों के लिए अपनी योग्यतानुसार आवेदन कर सकतें है। अग्निवीर क्लर्क के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा के समय टाईपिंग टेस्ट देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा जून 2026 में निर्धारित है। किसी भी अन्य जानकारी और समस्या के लिये सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलीफोन नंबर 0771-2965212 / 0771-2965214 पर संपर्क करें।

अथवा विस्तृत जानकारी के लिये जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द, दुर्ग के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते है।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत 16 करोड़ से अधिक की स्वीकृति, महापौर ने जताया शासन का आभार

शहर के विकास को मिली रफ्तार, सड़क चौड़ीकरण के दो बड़े प्रोजेक्ट मंजूर,महापौर अलका बाघमार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दुर्ग शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सड़क चौड़ीकरण के दो बड़े कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ये दोनों कार्य मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान में शामिल है, जिनसे शहर के यातायात और विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ठगा मुख्य मार्ग से प्रस्तावित एस.टी.पी. (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए कुल 297.04 लाख रुपये (लगभग 2.97 करोड़) की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना में कंसल्टेंसी शुल्क 2.93 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ता है, जिससे इस सड़क के चौड़ीकरण के बाद यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन सुगम होगा। उन्होंने कहा कि वहीं दूसरी और अधिक व्यापक परियोजना के तहत गुण्डरदेही रोड से गौठान, प्रधानमंत्री आवास (ए.एच.पी.) कॉलोनी, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय होते हुए पोटिया चौक तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए कुल 1363.52 लाख रुपये (लगभग 13.63 करोड़) की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में 12.89 लाख रुपये कंसल्टेंसी शुल्क तय किया गया है। यह सड़क कई महत्वपूर्ण आवासीय, शैक्षणिक और सार्वजनिक क्षेत्रों को जोड़ती है, जिससे इसके उन्नयन से बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इन सख्त शर्तों के साथ होगा कार्य शासन ने दोनों परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य स्वीकृत बजट और तकनीकी स्वीकृति के अनुरूप ही किया जाएगा। प्राक्कलन में किसी भी प्रकार का बड़ा परिवर्तन बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया पूरी तरह नियमानुसार, पारदर्शिता के साथ और विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी की जाएगी। निर्माण कार्य केवल स्वीकृत डी.पी. आर.नक्शे और लेआउट के अनुसार ही किया जाएगा। गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए तय समयसीमा में कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होगा। महापौर अलका बाघमार ने बताया कि वित्त विभाग की सहमति के बाद जारी हुआ आदेश इन दोनों परियोजनाओं को वित्त विभाग द्वारा 27 मार्च 2026 को सहमति प्रदान की गई थी।

जल संरक्षण की दिशा में दुर्ग जिले की बड़ी उपलब्धि, मोर गांव मोर पानी महाभियान बना जन आंदोलन, 32058 वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में जल संरक्षण की दिशा में संचालित मोर गांव मोर पानी महाभियान ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों में मात्र 15 दिनों के भीतर 32 हजार 058 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर दुर्ग जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभियान के माध्यम से भूजल स्तर सुधारने की दिशा में बड़ी पहल सफल रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत एकेच गोठ, एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0 अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2025 को की गई थी। अभियान के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में मात्र दो घंटे के भीतर 1764 सोक पीट का निर्माण कर गोल्डन बुक में नाम दर्ज कराया गया। द्वितीय चरण में 08 दिसम्बर को 12 हजार 418 सोक पीट का निर्माण किया गया, जिससे कुल 14 हजार 182 सोक पीट का निर्माण स्वप्रेरणा से किया गया। इसके साथ ही मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत 23 हजार 889 कंटूर ट्रेंच एवं वाटर एब्जॉर्पशन ट्रेंच का निर्माण भी पूर्ण किया गया है। मनरेगा के माध्यम से जल संचय कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अब तक 32 हजार 058 संरचनाओं की एंट्री पोर्टल पर की जा चुकी है। इस अभियान में ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया, जिससे यह अभियान जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। प्रत्येक प्रधानमंत्री आवास में निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं से न केवल वर्तमान की जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। अभियान के तहत विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसमें कम खर्च वाले 24 कार्य, 15 बोरवेल रिचार्ज, 03 चेकडेम, 5875 कंटूर ट्रेंच, 07 गली प्लग, 03 नाला बंध, 18 ओपन वेल रिचार्ज (डगवेल), 07 परक्यूलेशन तालाब, 537 रिचार्ज पीट, 05 रिचार्ज शाफ्ट, 817 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, 6676 सोक पीट, 09 टैंक, 48 विलेज पॉण्ड तथा 18014 वाटर एब्जॉर्पशन ट्रेंच कार्य शामिल है। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में सुधार और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाकर इस महाभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पांच दिवसीय पीएम श्री शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026 आईआईटी भिलाई में संपन्न

दुर्ग। जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी भिलाई में आयोजित किया गया। पांच दिन का यह ट्रेनिंग प्रोग्राम टीचर्स को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और एनईपी 2020 के हिसाब से पढ़ाने का तरीका देने के लिए बनाया गया है। यह एक्टिविटी-बेस्ड, एक्सपीरिएंशियल और वोकेशनल लर्निंग पर फोकस करता है, जैसे विजुअल प्रोग्रामिंग, एनिमेशन, डेटा साइंस, मेक्ट्रोनिक्स, नेचुरल फार्मिंग, और आईआईटी भिलाई में बन रहे शिक्षा सारथी सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग। टीचर्स को आईआईटी भिलाई की अलग-अलग लैब्स में जाने का मौका मिल रहा है, और उन्हें 21वीं सदी में पढ़ने की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए अलग-अलग टेक्नोलॉजी और टूल्स से इंट्रोड्यूस कराया जा रहा है। हम कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोऑर्डिनेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस बनाना और रेजिलिएंस जैसी जरूरी स्किल्स पर फोकस कर रहे हैं। रीइन्फोर्समेंट लर्निंग और टीचर्स द्वारा पढ़ाने के तरीकों को शेयर करने को बढ़ावा दिया जाएगा।

दुकानदारों को अंतिम चेतावनी, सड़क व नाली पर सामान रखने पर होगी जब्ती कार्रवाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम-नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदिरा मार्केट, पटवा लाइन सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा बाजार क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनेक दुकानदारों द्वारा अपने दुकान का सामान दुकान के बाहर नालो के ऊपर एवं सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से रखे जाने की स्थिति पाई गई, जिससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम प्रशासन द्वारा सभी संबंधित दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे अपना समस्त सामान अपने-अपने दुकानों के अंदर ही रखें तथा किसी भी प्रकार से सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। साथ ही दुकान के बाहर अनधिकृत रूप से साइन बोर्ड लगाने पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई। अतिक्रमण अधिकारी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि आगामी निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकान का सामान सड़क या नाली पर रखा हुआ पाया जाता है, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध जब्ती की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम दुर्ग द्वारा यह अभियान शहर में सुगम यातायात, स्वच्छता व्यवस्था एवं आमजन को सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान 6 अप्रैल से शुरू

दुर्ग। कलेक्टर अभिनीत सिंह के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 06 अप्रैल 2026 से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ नर्सों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाधिक होने वाला कैंसर सर्वाइकल कैंसर है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए निर्धारित किया गया है। तथा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में शासकीय अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मंदिर परिसर में हुआ चाकूबाजी, वारदात सीसीटीवी में कैद

रायपुर। भाठागांव स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में युवक पर जानलेवा हमला किया। लक्की साहू नाम के युवक ने नाबालिग पर चाकू से हमला किया। पुराने विवाद के चलते चाकू मारा। गाली-गलौज करते हुए जानलेवा हमला किया। युवक की हालत गंभीर, निजी अस्पताल में इलाज जारी है। मंदिर परिसर में लगे कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई। आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुरानी बस्ती पुलिस तलाश कर रही है। गोकुल नगर में हाफ मर्डर तीन दिन पहले टिकरापारा इलाके के सिमरन सिटी में कारोबारी अजय अग्रवाल की हत्या के बाद कल गोकुल नगर में हाफ मर्डर की घटना हुई। घायल अस्पताल में संघर्ष कर रहा है।आवेश खान नाम के युवक पर कासिम ऊर्फ अम्मू ने चाकू से हमला किया। यह हमला पुरानी रंजिश के चलते किया। आवेश उस वक्त घर जा रहा था। यह हमला सरेराह किया। आरोपी अम्मू ने जान लेने के इरादे से सीधे आवेश के सीने पर चाकू मारकर मौके से फरार हो गया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। टिकरापारा पुलिस ने हत्या का प्रयास दर्ज का अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

बुजुर्ग पति-पत्नी की हत्या मुखौटा पहनकर वारदात को अंजाम दिए जाने की खबर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अपराध को कम करने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं। बावजूद इसके ऐसी घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। लगातार अलग अलग जिलों से चाकूबाजी, हत्या जैसे कई अपराधिक घटनाएं सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला जांजगीर चांपा जिले से सामने आया हैं, जहां एक बुजुर्ग दंपति की हत्या कर दी गई है। जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, घटना मुलमुला थाना क्षेत्र के खपरी गांव का है, जहां बुजुर्ग पति-पत्नी की धारदार हथियार से हत्या की गई है। मौके पर बदमाश के पैर के निशान मिले हैं। चोरी-लूट की नीयत से हत्या करने की बात सामने आई है। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई है और ग्रामीणों की भीड़ भी जुटी हुई है। बदमाश, होली का मुखौटा पहनकर पहुंचा था और मौके पर यह मुखौटा भी मिला है। दरअसल, खपरी गांव में बुजुर्ग छतराम साहू, उसकी पत्नी श्याम बाई घर के अंदर सोए थे। देर रात बदमाश घुसा और दोनों की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। दोहरे हत्याकांड के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मौके पर खसरुकी टीम को बुलाई गई है।

रायपुर के गोकुल नगर में हाफ मर्डर,पीड़ित की हालत नाजुक

रायपुर। शहर में चाकूबाजी थमने का नाम नहीं ले रही। तीन दिन पहले टिकरापारा इलाके के सिमरन सिटी में कारोबारी अजय अग्रवाल की हत्या के बाद कल गोकुल नगर में हाफमर्डर की घटना हुई। घायल अस्पताल में संघर्ष कर रहा है।आवेश खान नाम के युवक पर कासिम ऊर्फ अम्मू ने चाकू से हमला किया। यह हमला पुरानी रंजिश के चलते किया। आवेश उस वक्त घर जा रहा था। यह हमला सरेराह किया। आरोपी अम्मू ने जान लेने के इरादे से सीधे आवेश के सीने पर चाकू मारकर मौके से फरार हो गया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। टिकरापारा पुलिस ने हत्या का प्रयास दर्ज का अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

सोशल मीडिया ब्लैकमेलिंग से तंग युवती की मौत आरोपी यूपी से गिरफ्तार

रायपुर। मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए ब्लैकमेलिंग का खौफनाक खेल आखिरकार एक युवती की जिंदगी पर भारी पड़ गया, जहां थाना पलारी क्षेत्र की एक युवती को उसकी तस्वीर वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर लगातार पैसों की मांग की जा रही थी, आरोपी बार-बार कॉल कर मानसिक दबाव बनाता रहा, डर और अपमान के साए में जी रही युवती ने आखिरकार 17 अप्रैल 2025 को चूहे मारने की दवा खाकर आत्महत्या की कोशिश कर ली और 22 अप्रैल को रायपुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, मामले की गंभीरता को देखते हुए मर्ग क्रमांक 102/2025 पर जांच शुरू हुई, पुलिस ने पंचनामा, गवाहों के बयान और तकनीकी विश्लेषण के जरिए पूरा घटनाक्रम खंगाला तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी गुलशन कश्यप उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम दहेली थाना रेउना जिला कानपुर नगर उत्तर प्रदेश, मोबाइल के जरिए युवती को उसकी तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर पैसे ऐंठ रहा था, युवती ने डर के चलते फोन-पे के माध्यम से 60 हजार रुपये भी दे दिए, लेकिन आरोपी की लालच यहीं नहीं रुकी, वह लगातार और पैसे मांगता रहा और फोन कर-करके प्रताड़ित करता रहा, इसी मानसिक दबाव ने युवती को आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर कर दिया, मामले में भावना गुप्ता के निर्देशन में थाना पलारी पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर अपराध क्रमांक 66/2026 धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया और तकनीकी इनपुट के आधार पर उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए धमकी देकर पैसे लेने और लगातार परेशान करने की बात स्वीकार की।

जनजातीय प्रतिभाओं को मिला राष्ट्रीय मंच

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स बना नए अवसरों का द्वार-मुख्यमंत्री साय.....

- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन जनजातीय प्रतिभाओं के लिए ऐतिहासिक और यादगार मंच - मुख्यमंत्री
- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में होंगे आयोजित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल आडिटोरियम रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर जो जोश और ऊर्जा देखने को मिली, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की आदिवासी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने और उनकी खेल क्षमता को सामने लाने का अनूठा अवसर साबित हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विजन और मार्गदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। साथ ही केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज देश के खेल मानचित्र में प्रमुख स्थान पर स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि अब यह गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज और खेल का रिश्ता सदियों पुराना है। तीरंदाजी, दौड़ और कुश्ती जैसे खेल जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उन्होंने स्वयं के जनजातीय पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में अपार ऊर्जा और प्रतिभा निहित है, जिसे सही मंच मिलने पर देश-विदेश में पहचान मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश की एकता, संस्कृति और कौशल का महाकुंभ बनकर उभरा है। देशभर के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जनजातीय खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह आयोजन आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने और खेलों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों ने केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि साहस और उत्कृष्टता की नई कहानियां रचने के लिए प्रतिस्पर्धा की है। उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं, बल्कि बस्तर, सरगुजा, झारखंड और पूर्वोत्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी भरपूर है। समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कर्नाटक, द्वितीय स्थान ओडिशा और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले झारखंड के खिलाड़ियों को बधाई दी।

छोटी क्लिनिक से लंदन संसद तक : डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी का सफर बना प्रेरणा

Holistic Medicine Conference 2026 में आमंत्रित, छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण

रायपुर, प्रतिनिधि। छत्तीसगढ़ के जाने-माने होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी को लंदन में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित Holistic Medicine Conference 2026 में विशेष आमंत्रित प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला है। यह सम्मेलन 10 अप्रैल को लंदन के Houses of Parliament तथा 13 अप्रैल को niversity of Oxford में आयोजित किया जाएगा।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नीति-निर्माता, संसद सदस्य, चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ भाग लेंगे। कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. नीतीश दुबे सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति भी रहेगी।

संघर्ष और सफलता की कहानी- डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी का सफर एक छोटी सी क्लिनिक से शुरू होकर आज अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच चुका है। अपने समर्पण और मेहनत के बल पर उन्होंने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को समाज में नई पहचान दिलाई है। उन्होंने हजारों मरीजों का सफल उपचार कर लोगों का विश्वास जीता है।

कोरोना काल में सराहनीय योगदान- कोरोना महामारी के दौरान जब स्वास्थ्य सेवाएं चुनौतीपूर्ण थीं, तब डॉ. त्रिवेदी ने लगातार मरीजों का उपचार किया और होम्योपैथी के माध्यम से लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सेवाओं को समाज में व्यापक सराहना मिली।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखेंगे भारत का पक्ष- लंदन में आयोजित इस सम्मेलन में डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी होम्योपैथी की उपयोगिता, प्रभावशीलता और भारत में इसके महत्व को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करेंगे। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए गौरव का विषय है।

प्रदेश के लिए गर्व का अवसर- डॉ. त्रिवेदी की यह सफलता यह दर्शाती है कि छोटे शहरों से निकलकर भी वैश्विक पहचान बनाई जा सकती है।

थमा लाल आतंक का शोर अब गूंजती है बस की हॉर्न

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है।

राज्य में कृषि एवं जैव ईंधन के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम, शुगरबीट की किस्म एलएस-6 की खेती एवं गन्ना के साथ अंतफसली पर अनुसंधान प्रारंभ

कार्टेल बनाकर की जा रही अवैध वसूली

सीमेंट की बढ़ती कीमतों पर वृद्धि जनता के जेब पर डकैती-कन्हैया

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने सीमेंट की कीमतों में हुई बेतहाशा वृद्धि को लेकर राज्य सरकार और सीमेंट कंपनियों के 'गठबंधन' पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने इस बढ़ोतरी को चुनावी चंदे के लिए लूट की खुली छूट करार देते हुए कहा कि पांच राज्यों के चुनाव फंड के लिए जनता के पसीने की कमाई को सीमेंट माफियाओं के हवाले कर दिया गया है । उन्होंने कहा कि कीमतों में कृत्रिम रूप से मार्च के शुरुआती हफ्ते में जो सीमेंट 210 प्रति बैग था, उसे रातों-रात बढ़ाकर ?270 कर दिया गया है। बुकिंग पर रोक : कीमतों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए कंपनियों ने जानबूझकर बुकिंग बंद कर दी है, ताकि बाजार में सीमेंट की कृत्रिम किल्लत पैदा की जा सके। उन्होंने कहा कि बिना कारण बढ़ोतरी की जा रही है । छत्तीसगढ़ देश के कुल सीमेंट का 20 प्रतिशत उत्पादन करता है। जब न तो कच्चे माल की लागत बढ़ी और न ही मांग में कोई अप्रत्याशित बदलाव आया, तो 60 प्रति बैग की वृद्धि केवल 'वसूली' का संकेत है। उन्होंने कहा कि आम आदमी के घर के सपने पर प्रहार किया गया है। कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में प्रतिमाह लगभग 10 लाख टन (2 करोड़ बैग) सीमेंट की खपत होती है। 50-60 की इस वृद्धि से अकेले छत्तीसगढ़ की जनता से हर महीने 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त लूटे जा रहे हैं।

धमतरी के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण, राज्यपाल से की आत्मीय मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका की पहल पर प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय ''लोकभवन'' की कार्यप्रणाली से अवगत कराने और यहां की कार्यालयीन गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज डी.पी.एस स्कूल धमतरी के विद्यार्थियों ने आज लोकभवन का भ्रमण किया और राज्यपाल श्री रमेन डेका से आत्मीय मुलाकात की। श्री डेका ने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्हें जरूरी मार्गदर्शन प्रदान किए।श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बहुत सुंदर होता है। इसका सदुपयोग करें तभी सफलता मिलेगी। जीवन के सभी निर्णयों को सोच-समझकर ठंडे दिमाग से लेना चाहिए। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। हर विद्यार्थी डॉक्टर इंजीनियर नहीं बन सकता। अनेक क्षेत्र हैं जहां अपना कैरियर बना सकते है। डी.पी.एस. स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 51 छात्र और 25 छात्राओं की टोली ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ लोकभवन का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक व कार्यालयीन महत्ता को जाना और समझा।

संपत्तिकर जमा करने की तिथि बढ़ाई निगम ने.....

- सम्पतिकरदाता नागरिकों द्वारा पौने आठ करोड़ 69 लाख 55065 रूपये का राजस्व अदा किया

रायपुर। संवाददाता

नगर निगम प्रशासन ने संपत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक जमा करने का निर्देश दिया गया है इससे संपत्तिकर दाताओं का राहत मिलेगी। निगम से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम के सभी जोनों के राजस्व विभागों में सम्पतिकर अदा करने सम्पतिकरदाता नागरिक उमड़ पड़े सभी 10 जोनों में सम्पतिकरदाता नागरिक स्वयं आकर 31 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे से संध्या 6 बजे तक अपना देय सम्पतिकर सहजता और सरलता के साथ अदा करते रहे। आज 31 मार्च को सुबह 10 बजे से संध्या 6 बजे तक नगर निगम राजस्व विभाग को 7083 सम्पतिकरदाता नागरिकों ने 6 करोड़ 69 लाख 55065 रूपये सम्पतिकर अदा कर दिया है, और सभी जोनों में अभी भी सम्पतिकरदाता नागरिकों की भारी भीड़ लगी हुई है। आज 31 मार्च 2026 को नगर निगम के सभी जोनों के राजस्व विभाग की टीमों द्वारा वार्डों में नगर निगम राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने वाले दुकानदारों के सम्बंधित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को तत्काल सीलबंद करने की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की।

बदलाव की बयार-जहाँ था डर और प्यास वहाँ अब विकास: लखपाल बना नई उम्मीद की मिसाल

पानी के लिए नहीं भटकेंगे ग्रामीण,117 घरों में पहुंचा अमृत

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और जिला प्रशासन की मेहनत से खत्म हुआ जल संकट

रायपुर/ संवाददाता

कभी नक्सल भय और पेयजल संकट से जूझता सुकमा जिले का दूरस्थ ग्राम लखापाल आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। वर्षों तक जहां ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब हर घर में नल से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। यह बदलाव केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन और छत्तीसगढ़ शासन की नियद नेल्लानार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में कोंटा विकासखंड के घोर नक्सल प्रभावित ग्राम लखापाल में विकास की वह रोशनी पहुंची है, जिसकी यहां वर्षों से प्रतीक्षा थी। जिला मुख्यालय सुकमा से लगभग 88 किलोमीटर दूर स्थित लखापाल गांव लंबे समय तक नक्सल समस्या और पेयजल संकट की दोहरी मार झेलता रहा। गांव के 117 परिवार पानी के लिए बोरिंग, कुएं और एक छोटे नाले पर निर्भर थे। गर्मी के दिनों में जलस्तर इतना नीचे चला जाता था कि ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था। महिलाओं और बच्चों को कई बार दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। समय और मेहनत के साथ-साथ बीमारियों का खतरा भी लगातार बना रहता था। सुकमा जिले के कार्यपालन अभियंता श्री विनोद कुमार राम ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत लखापाल में 72.01 लाख रुपये की लागत से 4 सोलर पंप टंकी स्थापित की गई। इसके माध्यम से गांव में 117 घरेलू नल कनेक्शन दिए गए। गांव की कुल जनसंख्या 465 है, और अब हर परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। गांव की महिला श्रीमती लखे तेलाम भावुक होकर बताती हैं कि पहले पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी। नाले और बोरिंग से पानी लाना पड़ता था। कई बार मौसमी बीमारी हो जाती थी। महुआ बीनकर लौटने के बाद पानी लेने जाना बहुत मुश्किल होता था। अब नल से घर में ही दिनभर पानी मिलता है। हम बहुत खुश हैं। शासन की योजना बहुत अच्छी है। उनकी बातों में केवल राहत नहीं, बल्कि एक नए जीवन की उम्मीद झलकती है। गांव के निवासी तेलाम बुधु बताते हैं कि पहले लखापाल में भय का माहौल था। हमारा गांव पहले नक्सल समस्या से प्रभावित था। लोग खौफ में जीते थे। बिजली, पानी और सड़क की समस्या थी। गांव में पहले नक्सलियों की मीटिंग होती थी। गांववालों से पैसा और चावल-दाल जमा कराया जाता था। लेकिन अब बदलाव आ गया है। अब पंचायत की मीटिंग ग्राम विकास के लिए होती है। बिजली, पानी, राशन और सड़क की सुविधा मिल रही है। उनके शब्द साफ कहते हैं अब गांव में डर नहीं, विकास की चर्चा होती है। जल जीवन मिशन के लागू होने के बाद लखापाल में सिर्फ पानी की सुविधा नहीं आई, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ा परिवर्तन देखने को मिला।

संपादकीय

कानून सख्त, सोच कमजोर, थम नहीं रहा दहेज के नाम पर मौत का सिलसिला

सरकारी स्तर पर देश में दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इसकी वास्तविक तस्वीर बेहद चिंताजनक है।इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि देश में सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद दहेज के लिए विवाहिता की हत्या या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। इक्कीसवीं सदी में शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने के बावजूद इस मामले में समाज के एक हिस्से की रूढ़िवादी मानसिकता नहीं बदली है। यही नहीं, कानूनों को सख्ती से लागू करने के मामले में भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही देखी जाती है, जिस कारण इस कुप्रथा की जड़ें नष्ट होने के बजाय गहरी होती जा रही हैं। इसका दंश महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी जान पर भी भारी पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में इस पर गहरी चिंता जताई और दहेज के मामलों में महिलाओं की मौत को घटनाओं को समाज पर गहरा धब्बा करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस सामाजिक कुरीति के कारण आज भी हजारों महिलाएं बेमौत मारी जाती हैं।सरकारी स्तर पर देश में दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इसकी वास्तविक तस्वीर बेहद चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में दहेज संबंधी अपराधों के तहत दर्ज मामलों में चौदह फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। देश भर में इससे संबंधित पंद्रह हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें छह हजार से ज्यादा महिलाओं की मौत हो गई। जबकि वर्ष 2022 और 2021 में यह संख्या क्रमशः 13,479 और 13,568 थी। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या वजह है कि दहेज प्रथा को बढ़ावा देने वालों में कानून का जरा भी खौफ नहीं है। इसके लिए निश्चित तौर पर कानून प्रवर्तन एजंसियों का ढुलमुल रवैया भी जिम्मेदार है। पुलिस की लापरवाही की वजह से कई बार दहेज से संबंधित मामलों के आरोपी अदालत में सबूतों के अभाव में बरी हो जाते हैं। कई दफा पीड़ित महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।दहेज प्रथा केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और गरिमा का भी गंभीर उल्लंघन है। मगर कई मामलों में पीड़ित महिलाओं के परिजन कानूनी जागरूकता की कमी और सामाजिक दबाव के कारण पुलिस में शिकायत तक दर्ज नहीं करा पाते। ऐसे में इस बात पर गहराई से विचार करने की जरूरत है कि क्या भौतिक वस्तुएं, पैसा और झूठी शान किसी महिला की जान से ज्यादा मूल्यवान है!

भारत के लिए इस वैश्विक बदलाव में कई गहरे संकेत छिपे हैं। चंद्रयान-3 के माध्यम से उसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता से उतर कर यह दिखा दिया कि वह केवल अंतरिक्ष दौड़ का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय खिलाड़ी है। यह क्षेत्र इसलिए खास माना जाता है, क्योंकि यहां जल और बर्फ के मौजूदगी की संभावना है, जो भविष्य में ईंधन, आक्सीजन और मानव बस्तियों की आधारशिला बन सकती है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में है जिनके पास चांद तक पहुंचने और वहां उतरने की क्षमता है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का संकेत भी है। इससे भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और इसरो को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिले हैं।

चांद की नई 'स्पेस रेस' - ताकत, तकनीक और अर्थव्यवस्था की जंग में भारत कहां खड़ा है

(विजन कुमार पांडेय)

अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह दुनिया की बड़ी ताकतों के बीच शक्ति और वर्चस्व की नई जमीन बन चुका है। इस बदले दौर में चांद एक बार फिर रणनीतिक होड़ का केंद्र बन गया है। अमेरिका और चीन चांद को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों, संसाधनों पर वर्चस्व और तकनीकी बढ़त का आधार बनाना चाहते हैं। निजी कंपनियां भी इस दौड़ में उतर चुकी हैं, जिससे अंतरिक्ष अब सरकारों तक सीमित न रह कर बाजार, रोजगार और आम आदमी के भविष्य से जुड़ता जा रहा है। चांद पर जाने की यह जल्दबाजी केवल विज्ञान की जिज्ञासा नहीं, बल्कि आने वाले समय में ताकत की रूपरेखा तय करने की तैयारी है। जो देश आज चांद पर अपनी मौजूदगी मजबूत करेंगे, वही कल अंतरिक्ष से जुड़ी कमाई और बड़े फैसलों पर असर डालेंगे। ऐसे में भारत के सामने भी सवाल है कि क्या वह इस बदलती अंतरिक्ष राजनीति को समझ कर समय रहते अपनी योजना बनाएगा?

मनुष्य सबसे पहले मंगल पर कब पहुंचेगा, यह सवाल लंबे समय तक रोमांच बना रहा। 'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' ने इसी सपने को अपनी पहचान बनाया। एलन मस्क समय सीमा घोषित करते रहे। उद्देश्य था- महत्त्वाकांक्षा दिखाना और प्रतिभा आकर्षित करना। मगर हाल के महीनों में तस्वीर बदली है। हकीकत यह है कि पर्दे के पीछे 'स्पेसएक्स' लंबे समय से नासा के साथ चांद से जुड़े काम में लगी थी। आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत मानव को चांद पर उतारने का जिम्मा इसी का प्रमाण है। उधर, जेफ बेजोस की कंपनी भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे स्पष्ट है कि अंतरिक्ष की अगली निर्णायक मंजिल मंगल नहीं, बल्कि चांद है।

इसके पीछे सबसे बड़ा कारण नासा की बदलती प्राथमिकताएं हैं। अमेरिका का आर्टेमिस कार्यक्रम चांद पर स्थायी उपस्थिति बनाने की दिशा में बढ़ रहा है। यह केवल वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की नींव रखने का प्रयास है। चांद पर खनिज संसाधन और ऊर्जा के स्रोत मौजूद हैं। इनका उपयोग अंतरिक्ष अभियानों की लागत कम कर सकता है। साथ ही अमेरिका को यह चिंता भी सता रही है कि यदि उसने चांद पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, तो चीन यह बढ़त हासिल कर लेगा। उसने चांद पर कई सफल मिशन भेजे हैं और वह 2030 के लिए मानव मिशन की घोषणा कर चुका है।

भारत के लिए इस वैश्विक बदलाव में कई गहरे संकेत छिपे हैं। चंद्रयान-3 के माध्यम से उसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता से उतर कर यह दिखा दिया कि वह केवल अंतरिक्ष दौड़ का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय खिलाड़ी है। यह क्षेत्र इसलिए खास माना जाता है, क्योंकि यहां जल और बर्फ के मौजूदगी की

संभावना है, जो भविष्य में ईंधन, आक्सीजन और मानव बस्तियों की आधारशिला बन सकती है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में है जिनके पास चांद तक पहुंचने और वहां उतरने की क्षमता है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का संकेत भी है। इससे भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और इसरो को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिले हैं।

असली परीक्षा वैज्ञानिक या तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्रश्न यह नहीं कि भारत चांद तक पहुंच सकता है या नहीं। यह तो वह सिद्ध कर चुका है। असली प्रश्न यह है कि क्या भारत इस सफलता को ऐसी दीर्घकालिक राष्ट्रीय अंतरिक्ष रणनीति में बदल पाएगा, जो देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सके और जोखिमों को कम कर सके। क्या चांद पर नियमित मिशन भेजने, वहां उपलब्ध संसाधनों की खोज और भविष्य की औद्योगिक गतिविधियों के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और वित्तपोषित कार्ययोजना है? अंतरिक्ष में हर असफल प्रयास केवल वैज्ञानिक झटका ही नहीं देते, बल्कि भारी आर्थिक नुकसान भी कराते हैं। अरबों रुपए का निवेश, वर्षों की मेहनत और अनगिनत मानव-घंटे एक झटके में दांव पर लग जाते हैं।

यदि भारत इस अवसर को सही ढंग से साधता है, तो अंतरिक्ष क्षेत्र केवल खर्च का मद नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार सृजन, उच्च-प्रौद्योगिकी, उद्योगों और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार भी बनेगा। तब भारत केवल एक सफल मिशन वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाने वाली शक्ति होगा। अमेरिका और चीन चांद को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनाने की होड़ में हैं। वे वहां ठिकाने बसाने, संसाधनों पर पकड़ बनाने और निजी कंपनियों के लिए नए मौके खोलने की तैयारी कर रहे हैं। साफ है कि अंतरिक्ष अब केवल विज्ञान का विषय नहीं रहा, बल्कि रोजगार, उद्योग और कमाई की नई जमीन बन चुका है। ऐसे में भारत के सामने भी निर्णायक स्थिति है। क्या वह सिर्फ मिशन भेज कर खुश रहेगा या चांद पर स्थायी मौजूदगी की ठोस योजना बनाएगा? यह सवाल केवल वैज्ञानिकों का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के भविष्य से जुड़ा है।

इसरो की कम लागत वाली और भरोसेमंद तकनीक भारत की सबसे बड़ी ताकत है। अब समय आ गया है कि निजी कंपनियों और युवाओं को बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल किया जाए। इससे नए उद्योग खड़े होंगे, नौकरियां सृजित होंगी और अंतरिक्ष क्षेत्र आम लोगों की तरक्की का माध्यम बनेगा। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोला है। नवउद्यम उभर रहे हैं, राकेट और उपग्रह बनाने की पहल हो रही है, लेकिन इस प्रयास को और तेज करने की जरूरत है। चांद और गहन अंतरिक्ष मिशनों के लिए भारी निवेश, दीर्घकालिक नीति चाहिए।

'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' की रणनीति एक अहम सबक देती है कि बड़े सपने दिखाना आसान है, लेकिन काम छोटे और ठोस कदमों से ही आगे बढ़ता है। सीधे मंगल की छलांग नहीं, पहले चांद पर मजबूत कदम जरूरी है। यही रास्ता व्यावहारिक है। चांद पर लगातार उपग्रह भेजने और आगे चल कर मानव मिशन की तैयारी ही हमें बड़े लक्ष्यों तक पहुंचाएगी। जो देश सीढ़ी-दर-सीढ़ी चढ़ता है, वही शिखर पर पहुंचता है। अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य केवल वैज्ञानिक खोज नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों से भी जुड़ा है। उपग्रह सेवाएं, अंतरिक्ष पर्यटन, संसाधन खनन और संचार नेटवर्क आने वाले समय में बड़ी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। जो देश अभी तैयारी करेंगे, वही आगे चल कर लाभ उठाएंगे।

'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' का चांद की ओर बढ़ना बताता है कि अंतरिक्ष की दौड़ अब सपनों की कहानी नहीं रही। यह आज राष्ट्रीय शक्ति, रोजगार, उद्योग और तकनीक की सीधी लड़ाई बन चुकी है। जो देश चांद पर अपनी मजबूत मौजूदगी बनाएगा, वही आने वाले समय की दिशा भी तय करेगा। भारत के लिए यह आत्मसंतोष का नहीं, बल्कि साहसिक फैसले लेने का समय है। चंद्रयान-3 की सफलता को केवल उपलब्धि मान कर रुकना काफी नहीं होगा। अब जरूरत है कि हम चांद पर लगातार मिशन भेजें और दीर्घकालिक कार्यक्रम बनाएं। इससे देश में नई नौकरियां बनेंगी, तकनीक आगे बढ़ेगी और आम आदमी को भी इसका लाभ मिलेगा। यदि भारत आज सही फैसले करता है, तो वह सिर्फ अंतरिक्ष तक नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला देश बनेगा।

सरजमीं जिसमें निरंतर संघर्ष व संकटों से उबरने का है जज्बा

नरेन्द्र कुमार

मैं ईरान हूं। कुछ लोग मुझे आज भी प्यार से फारस कहते हैं तो कुछ मुझे मेरे आधिकारिक नाम इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से पुकारते हैं। मेरी धरती पश्चिम एशिया के हृदय में फैली हुई है। मेरे पश्चिम में इराक, उत्तर-पश्चिम में तुर्की, अजरबैजान और आर्मेनिया, उत्तर में कैस्पियन सागर, उत्तर-पूर्व में तुर्कमेनिस्तान, पूर्व में अफगानिस्तान, दक्षिण-पूर्व में पाकिस्तान और दक्षिण में फारस तथा ओमान की खाड़ी मुझे घेरती हैं। मेरी आबादी लगभग 9 करोड़ है। मेरा दिल तेहरान में धड़कता है। मेरी पहचान केवल मेरी सीमाओं या जनसंख्या से नहीं है। मैं समय को उन गहराइयों से उभरा हूं, जहां इतिहास और सभ्यता ने पहली बार अपनी आवाज पाई थी। सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में मीडस ने मुझे पहली बार एक रूप दिया, एक संगठित पहचान दी। फिर साइरस महान ने मेरे भीतर अचेमेनिड साम्राज्य की नींव रखी।

लेकिन हर शक्ति की तरह, मैंने भी पराजय का स्वाद चखा। सिकंदर महान आया और उसने मेरे उस गौरवशाली साम्राज्य को तोड़ दिया। मैं फिर उठा। पार्थियन और फिर ससानी साम्राज्य के रूप में। ससानी काल मेरा स्वर्ण युग था।

सभ्यता , धर्म तथा आक्रमणों का दौर- मैं प्राचीन काल से ही ज्ञान और सभ्यता का केंद्र रहा हूं। लेखन, कृषि, शहरीकरण, धर्म और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में मैंने दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कभी मैं जोरोआस्ट्रियन धर्म का प्रमुख केंद्र था। 7वीं शताब्दी में जब मुस्लिम सेनाएं आईं, तो मैंने इस्लाम को अपनाया इसके बावजूद, मैंने अपनी सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखा। फिर से मैंने साहित्य, दर्शन, गणित, चिकित्सा और कला के क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयां हासिल कीं। उसी दौर में मेरी फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर से जन्म लिया।

मध्यकाल में सेल्जुक और ख्वारिज्मशाह शासकों का दौर देखा और फिर मंगोलों का आक्रमण सहा। इसके बावजूद, मैं फिर से उठा। 14वीं शताब्दी में तैमूर के नेतृत्व में मैंने पुनर्जागरण का अनुभव किया। अंततः, 16वीं शताब्दी शिया इस्लाम को मेरी पहचान बनाया। अठारहवीं शताब्दी में मैं एक प्रमुख ताकत बनकर उभरा। फिर काजार वंश के समय आंतरिक संघर्षों और बाहरी दबावों के बीच जूझता रहा।

संवैधानिक क्रांति- 20वी शताब्दी की शुरुआत में संवैधानिक क्रांति के रूप में मेरे भीतर बदलाव की एक नयी लहर उठी। फिर 1925 में रजा शाह पहलवी ने सत्ता संभाली और आधुनिकीकरण की शुरुआत की। सड़कों, रेल, उद्योग और शिक्षा में सुधार हुआ, लेकिन शक्ति कुछ हाथों में केंद्रित हो गई।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1941 में ब्रिटेन और सोवियत संघ ने आक्रमण किया। रजा शाह को पद छोड़ना पड़ा। उनके बेटे मोहम्मद रजा पहलवी ने मेरी बागडोर संभाली। 1953 में तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश की गयी। लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन के समर्थन से हुए तख्तापलट ने इस प्रयास को रोक दिया और शाह की सत्ता को और मजबूत कर दिया।

इस्लामिक गणराज्य का स्वरूप- फिर आया 1979। मेरे लोगों ने राजशाही को समाप्त कर दिया और अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के नेतृत्व में मैंने खुद को एक इस्लामिक गणराज्य के रूप में पुनः स्थापित किया। लेकिन शांति मुझे ज्यादा देर तक नहीं मिली। 1980 में इराक ने मुझ पर हमला किया। मैं आठ साल तक युद्ध में उलझा रहा।

आज मैं एक इस्लामी गणराज्य हूं, जहां सर्वोच्च नेता के पास अंतिम सत्ता होती है।

मैं प्राचीन काल से ही ज्ञान और सभ्यता का केंद्र रहा हूं। लेखन, कृषि, शहरीकरण, धर्म और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में मैंने दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कभी मैं जोरोआस्ट्रियन धर्म का प्रमुख केंद्र था। 7वीं शताब्दी में जब मुस्लिम सेनाएं आईं, तो मैंने इस्लाम को अपनाया इसके बावजूद, मैंने अपनी सांस्कृतिक आत्मा को जीवित रखा। फिर से मैंने साहित्य, दर्शन, गणित, चिकित्सा और कला के क्षेत्रों में नयी ऊंचाइयां हासिल कीं। उसी दौर में मेरी फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर से जन्म लिया।

मेरे यहां चुनाव होते हैं, लेकिन हर निर्णय जनता के हाथ में नहीं होता। मुझ पर मानवाधिकारों के उल्लंघन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध के आरोप लगते रहे हैं।

प्राकृतिक गैस और तेल के भंडार- आर्थिक रूप से मैं बेहद समृद्ध संसाधनों वाला देश हूं। मेरे पास दुनिया के दूसरे सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार और तीसरे सबसे बड़े तेल भंडार हैं। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ने मेरी अर्थव्यवस्था को चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

परमाणु कार्यक्रम- मेरा परमाणु कार्यक्रम भी दुनिया की निगाहों में है। जबकि मैं लगातार यह कहता हूं कि मेरा उद्देश्य केवल शांतिपूर्ण है। मैं आज भी अपने अतीत, अपने संघर्षों और अपने भविष्य के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

हाल के वर्षों में इस्राइल और सऊदी अरब के साथ मेरा तनाव लगातार बढ़ता गया। जून 2025 में हुए इस्राइल के हमलों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। मेरे यहां विरोध प्रदर्शन हुए। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने मुझ पर हमला कर दिया। इन हमलों ने मेरे संघर्ष को और तेज कर दिया। इन हमलों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या ने देशवासियों को हिलाकर रख दिया। उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता बनाया गया। अभी तो मैं हमले सह रहा हूं और जवाबी हमले कर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता कि यह युद्ध कब तक चलेगा। बस, संघर्ष मेरी फितरत है और गिरके फिर खड़े हो जाना मेरी आदत।

तंग गलियों से कारखानों तक एलपीजी संकट, असंगठित भारत की रसोई पर बढ़ता दबाव

(पीएस वोहरा)

यह सच है कि सफल आर्थिक नीतियों का सबसे बड़ा आधार उनकी वैश्विक दूरदर्शिता और लंबे अरसे तक घरेलू बाजार में उनका स्थायित्व होता है। भारत इसी पक्ष पर पिछले कई दशकों से सभी को आश्चर्यचकित करता रहा है और इसी कारण आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा भी हासिल कर चुका है। दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और वैश्विक संस्थान भारत की तेजी से बढ़ रही आर्थिक विकास दर से खासे प्रभावित हैं। साथ ही देश के घरेलू बाजार की क्रय क्षमता सभी बड़े वैश्विक उत्पादों और सेवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र भी बनी हुई है।

मगर सवाल है कि इन सबके बीच क्या देश की आर्थिक नीतियां एक ऐसे भ्रम से ग्रस्त हो गई हैं कि वे वैश्विक उथल-पुथल के पूर्वानुमानों को सही ढंग से समझ नहीं पा रही हैं? और समाज के उस तबके पर पड़ रहे आर्थिक दबाव को भी खत्म नहीं कर पा रही हैं, जो कि आर्थिक विकास की मुख्य धारा से अब तक छिटका हुआ है। देश की आर्थिक नीतियों में उसका पक्ष क्यों नहीं नजर आता है, जिसे 'असंगठित क्षेत्र' कहा जाता है, जबकि इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी भी आर्थिक संकट से सबसे पहले सुरक्षित किया जाना चाहिए।

संकट की मार

आज जब भारत जीडीपी की रफ्तार में चार ट्रिलियन के मुकाम पर खड़ा है और तेजी से आगे बढ़ने का सपना देख रहा है, ऐसे में समाज का असंगठित क्षेत्र ही आर्थिक विषमता के संकट से सबसे ज्यादा त्रस्त नजर आता है और उसकी लगातार अनदेखी हो रही है। इसका कारण शायद यही है कि आर्थिक नीतियां तेजी से बढ़ रहे विकास के भ्रम में उलझ गई हैं।

मगर सवाल है कि इन सबके बीच क्या देश की आर्थिक नीतियां एक ऐसे भ्रम से ग्रस्त हो गई हैं कि वे वैश्विक उथल-पुथल के पूर्वानुमानों को सही ढंग से समझ नहीं पा रही हैं? और समाज के उस तबके पर पड़ रहे आर्थिक दबाव को भी खत्म नहीं कर पा रही हैं, जो कि आर्थिक विकास की मुख्य धारा से अब तक छिटका हुआ है। देश की आर्थिक नीतियों में उसका पक्ष क्यों नहीं नजर आता है, जिसे 'असंगठित क्षेत्र' कहा जाता है, जबकि इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी भी आर्थिक संकट से सबसे पहले सुरक्षित किया जाना चाहिए।

सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि देश में वित्तीय वर्ष 2021-22 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार करीब 44 करोड़ लोग असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों के रूप में कार्यरत थे। इनमें कृषि क्षेत्र, निर्माण और छोटे उद्योगों के श्रमिक तथा निजी प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, सड़क किनारे भोजन सामग्री बेचने वाले आदि सम्मिलित हैं। कोरोनाकाल में पूर्णबंदी का सबसे अधिक असर भी इसी वर्ग पर हुआ था।

वर्ष 2026 की शुरुआत वैश्विक स्तर की कुछ घटनाओं के कारण देश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए काफी चिंताजनक रही। मसलन, एक जनवरी, 2026 से जब चीन ने अपने यहां चांदी के निर्यात को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया, तो उससे भारत के घरेलू बाजार में चांदी के मूल्य अप्रत्याशित रूप से इतने बढ़ गए, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

देश के घरेलू बाजार में चांदी की खपत एकाएक कम हुई, तो उसके दुष्प्रभाव भी इसी असंगठित क्षेत्र पर सबसे ज्यादा दिखे। यह बहुत साधारण विश्लेषण है कि जब चांदी की पाजेब पांच से दस हजार रुपए के मूल्य से चार गुना महंगी हो जाएगी, तो उसे आम आदमी क्यों खरीदेगा? फिर इससे चांदी के व्यापार में श्रमिकों का रोजगार कैसे बना रहेगा? यह सब भले ही वैश्विक संकट की उपज थी, मगर देश की आर्थिक नीतियों में कोई भी दूरदर्शिता इस असंगठित क्षेत्र के कामकाजी श्रमिकों के पक्ष में नहीं दिखी।

कतार और इंतजार

कुछ इसी तरह की स्थिति वर्तमान में भी बनी हुई है, जब ईरान, इजराइल और अमेरिका के युद्ध के कारण रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई, तो इसकी सबसे अधिक मार असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों पर ही पड़ रही है। उन्हें घरों में भोजन बनाने के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर गैस सिलेंडर का इंतजार करना पड़ रहा है।

दूसरा, इस मार का आर्थिक दबाव भी उन्हीं पर पड़ रहा है, जो किसी को नहीं दिख रहा है। आंकड़ों के हिसाब से बड़े शहरों, राजधानियों और महानगरों की तंग गलियों में स्थापित छोटे भोजनालयों से लेकर कारखानों तक में एलपीजी की आपूर्ति में हुई कमी के कारण इसका असर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की आजीविका पर भी पड़ने लगा है।

इसके अलावा यह पक्ष भी इस संकट की तस्वीर में नहीं दिख रहा है कि एलपीजी की किल्लत से भोजन व्यवसाय महंगा हो गया है और इसका आर्थिक दबाव सड़कों पर चलने वाले टैक्सी चालकों से लेकर ऐसे व्यक्तियों पर बहुत अधिक पड़ रहा है, जो दिन में एक दफा भोजन करके घर से बाहर रहते हैं।

इसी तरह कारखानों में कार्यरत श्रमिक न्यूनतम मूल्य पर कैंटीन में ही भोजन कर लिया करते थे, मगर अब यह भी बंद होने लगा है, क्योंकि कैंटीन में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है।

भ्रम का असर

आर्थिक नीतियों में भ्रम का असर भारत के पूंजी बाजारों के प्रदर्शन पर भी देखने को मिला है। एक रपट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर तेजी से उभरने वाली अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजारों में एक जनवरी, 2025 से फरवरी, 2026 के दौरान करीब पचास फीसद से अधिक का 'रिटर्न' देखा गया है और ब्राजील में तो यह आंकड़ा अस्सी फीसद था।

वहीं भारत के पूंजी बाजार में इसी अवधि के दौरान 'रिटर्न' एक फीसद के लगभग नकारात्मक रहा है। पूरे विश्व में सऊदी अरब के बाद भारत सबसे खराब प्रदर्शन वाला पूंजी बाजार रहा। कारण, भारत के शेयर बाजार की कंपनियों में आर्थिक निवेश बहुत महंगे हैं या वे वर्तमान में बहुत अधिक मूल्य पर मूल्यांकित हैं।

इस पक्ष पर क्या ये सोचना गलत है कि भारतीय आर्थिक नीतियां इस भ्रम में थीं कि देश तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और यहां का घरेलू बाजार विश्व में सबसे अधिक क्रय क्षमता रखता है, जिसके चलते विदेशी निवेश भारतीय बाजारों में आएगा ही।

शायद इसी भ्रम की वजह से भारत विश्व का एकमात्र देश था, जिसने विदेशी पूंजी निवेश पर दीर्घकालिक पूंजीगत कर भी लगाया। मगर आज परिणाम बिल्कुल विपरीत हो गया है। इस सब में भी आर्थिक रूप से सबसे अधिक प्रभावित एक आम आदमी ही हुआ है, जो अपने निवेश को एसआइपी के माध्यम से पूंजी बाजारों को सौंप रहा है।

महंगाई की रफ्तार

पिछले कुछ समय से आर्थिक निवेश का प्रवाह म्युचुअल फंड के अंतर्गत बहुत अधिक प्रचलन में है। और यकीनन छोटे निजी क्षेत्रों में और असंगठित क्षेत्रों से जुड़े वे लोग जिनकी कमाई बहुत अधिक नहीं है, वे भी बड़े स्तर पर अपनी बचत को आकर्षक वापसी की चाहत में एसआइपी में निवेश कर रहे हैं।

उन पर भी इन्हीं आर्थिक वैश्विक उठापटक की मार पूंजी बाजार में देखने को मिली है। इसके अलावा ईरान, इजराइल और अमेरिका के युद्ध के चलते कच्चे तेल के मूल्यों में बढ़ोतरी और डालर के मुकाबले कमजोर होते रुपए की वजह से घरेलू बाजार में वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं।

अब सवाल है कि आर्थिक नीतियों के किस पक्ष से कोई राहत देने की कोशिश की जाएगी? क्या पिछले वर्ष दिवाली से पूर्व जीएसटी दरों में की गई कटौती का समय सही था? उस दौरान के बजाय अगर वर्तमान समय में कच्चे तेल के मूल्य में हुई बढ़ोतरी के कारण वस्तुओं के दाम बढ़ने से होने वाली महंगाई को नियंत्रण में करने के लिए जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के उपाय किए जाते, तो वे अपनी सार्थकता को सही ढंग से साबित कर पाते। अब तो वह विकल्प भी उपलब्ध नहीं होगा। (यह लेखक के अपने विचार है)

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का 56वां वार्षिक अधिवेशन

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी विकास कार्यों की सौगात

दुर्ग / प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा दुर्ग जिला के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा रविवार को दुर्ग जिले के पाटन विकास खंड के ग्राम जामगांव (एम) में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज के 56 वें वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दुर्ग ग्रामीण विधायक तथा प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर भी अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का गौरवशाली अतीत रहा है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे समाज के पुरोधाओं ने देश को दिशा दिखाई है। गृहमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि समाज के सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए ऐसे अधिवेशन होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मैं अपने आप को कुर्मी समाज के बीच पाकर कृतज्ञ हुआ हूं। अधिवेशन में समाज की महिलाओं की बड़ी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि महिलाओं की प्रतिभा को स्थान व सम्मान दिलाने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंशा के अनुरूप विधान सभा एवं लोक सभा तथा अन्य सभी जगह महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने आगामी 16, 17 एवं 18 तारीख को संसद का विशेष सत्र का आयोजन किया जा रहा है। गृह मंत्री श्री शर्मा ने बस्तर सहित छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त राज्य बनाने का श्रेय जवानों को देते हुए बस्तर में शांति स्थापना पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने अपने कर कमलों से समाज की उन्नत कृषक श्रीमती पूजा चंद्राकर, सफल व्यवसायी श्री विनोद चंद्राकर और कलाकार श्री पप्पू चंद्राकर को समाज की ओर से साल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने समाज की मांग पर सामाजिक भवन जामगांव (एम) में डेम शेड और मंच निर्माण तथा ग्राम तर्रा में कुर्मी सामाजिक भवन हेतु 12 लाख रूपए की घोषणा की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा और संगठन दोनों आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयास से हर कार्य संभव होता है। वहीं सामाजिक जागरूकता के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने समाज के विकास के लिए माताओं एवं बहनों को आगे आने का आह्वान किया। चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के केन्द्रीय एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

भिलाई नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ एक और आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। नशा मुक्ति अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ भिलाई नगर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने उच्च गुणवत्ता वाले 'हाइड्रोपोनिक गांजे' की तस्करी और संग्रहण करने वाले एक और आरोपी को हुड़को क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

उल्लेखनीय है कि बीते 4 अप्रैल को पुलिस ने रुआबांधा क्षेत्र से विक्रम साहू और यश विश्वकर्मा को गांजे और नशीली सामग्री के साथ गिरफ्तार किया था (अपराध क्रमांक 155/2026)। विवेचना के दौरान नशे के मुख्य स्रोत और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही थी, जिसमें आज एक और गिरफ्तारी हुई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एमआईजी क्षेत्र, हुड़को में अवैध मादक पदार्थ का संग्रहण किया गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आयुष विश्वकर्मा (29 वर्ष), निवासी हुड़को को घर दबोचा। आरोपी के कब्जे से 1.4 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह गांजा साधारण गांजे की तुलना में काफी महंगा और उच्च गुणवत्ता वाला होता है, जिसे विशेष वैज्ञानिक विधि (बिना मिट्टी के) से उगाया जाता है। आरोपी इसका संग्रहण कर आर्थिक लाभ कमाने के लिए अवैध रूप से विक्रय कर रहा था। आरोपी आयुष विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस सफल कार्रवाई में थाना भिलाई नगर पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही।

'थाना पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, कार्यवाही को लेकर हुआ हंगामा'

थाना पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, चालान को लेकर हुआ हंगामा

चांपा। शहर के थाना परिसर में आज उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब एक भाजपा कार्यकर्ता की मोटरसाईकिल का चालान किए जाने पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी थाना पहुंच गए। देखते ही देखते मामला गरमा गया और मौके पर बहस व हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा था, जिसके अंतर्गत नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान एक युवक की मोटरसाईकिल का चालान किया गया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई सामान्य प्रक्रिया के तहत की गई और सभी पर समान रूप से नियम लागू किए जा रहे थे।हालांकि, चालान की जानकारी मिलते ही भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थाना पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। उनका आरोप था कि संबंधित युवक भाजपा का कार्यकर्ता है, बावजूद इसके उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा पुलिस से तीखी बहस की गई और कथित रूप से चेतावनी भरे शब्द भी कहे गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण बना रहा।

हालांकि पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए सभी को समझाइश दी और मामला शांत कराया। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि कानून सभी के लिए समान है और नियमों का उल्लंघन करने पर किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

माओवाद के अंत के साथ बस्तर क्षेत्र में अब विकास को मिलेगी नई दिशा

वन मंत्री कश्यप सुदूर ग्राम केजंग में पहुंचे, 1.20 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज कोंडागांव के सुदूर अंचल स्थित ग्राम केजंग पहुंचे और क्षेत्रवासियों को लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए के 11 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़क, भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं सड़कों, पुलों, जल संरक्षण के कार्य और सामुदायिक भवनों का निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण अंचल में आवागमन को आसान बनाना, कृषि को मजबूती देना और ग्रामीण जीवनस्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार आम नागरिकों के हित में क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पूर्व में माओवाद से प्रभावित रहा है, किन्तु पूरा छत्तीसगढ़ माओवाद के प्रभाव से मुक्त हो गया है और अब बस्तर संभाग भयमुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ेगा और अधिक समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार मिलेगा। विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किए गए कार्यों में ग्राम पंचायत कुधूर में 1 किमी मुरमीकरण कार्य (मांझानार से साहूपारा प्रतीक घर तक) लागत 19 लाख रुपए, तरईपारा से पंडेला घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत कोरमेल के पटेलपारा में सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए के कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत जोडेंगा में सांस्कृतिक भवन से कमलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पदनार में प्राथमिक शाला भवन से समलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पुसपाल में नीचेपारा में कुलघर घर से सुधीर यादव घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मड़गांव में सांस्कृतिक भवन से पीलाराम घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए के कार्य शामिल हैं। ग्राम पंचायत केजंग में छोटुल गुड़ी के पास शेड निर्माण लागत 6 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मड़नार में स्कूल मुख्य द्वार से पेदेबाई घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए एवं प्राथमिक शाला में शौचालय निर्माण लागत 5 लाख रुपए तथा ग्राम पंचायत बेतबेड़ा में मुख्य मार्ग से ढोलमांदरी सन्नू घर तक मार्ग मुरमीकरण 15.00 लाख रुपए के कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष श्री टोमेन्द्र ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, कोण्डागांव एसडीएम श्री अजय उरांव, तहसीलदार श्री मनोज रावटे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मातृ दिवस पर जिला महिला चिकित्सालय में फल वितरण, आश्रम में हुआ सत्संग व भंडारा

गाजीपुर। मातृ दिवस के अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति, श्री हंस योग आश्रम के तत्त्वावधान में सद्गुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज की माताश्री राजराजेश्वरी देवी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आश्रम प्रभारी महात्मा दयावती बाईजी, महात्मा ठाकुरदास बाबा एवं महिला चिकित्सक डॉ. ममता सिंह के करकमलों द्वारा जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए।

फल वितरण कार्यक्रम में चिकित्सालय के सभी डॉक्टरों एवं स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा। इसके पश्चात आश्रम में आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में महात्मा दयावती बाईजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही मनुष्य को महान बनाती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। वहीं महात्मा ठाकुरदास बाबा ने कहा कि गुरु दरबार की सेवा कभी भी विफल नहीं होती, सच्चे मन से की गई सेवा का फल अवश्य मिलता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्वांचल प्रचार समिति के सहसंचिव किशोर यादव, जिला प्रधान उमेश सिंह, जिला शासकीय अधिवक्ता कृपा शंकर राय, अधिवक्ता गोपाल जी श्रीवास्तव, मानव सेवा दल के अमरनाथ, घनश्याम त्रिपाठी, अशोक रामायण पाल, कन्हैया, विपिन बिहारी, गौता सिंह, राजकुमारी, रामदुलारी, कुसुम यादव, कुसुम तिवारी, मंजू देवी, निधि मिजां सहित अनेक प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रेमी भक्तगणों को भंडारा एवं प्रसाद वितरित किया गया।

बाबू जगजीवन राम की जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया नमन, सामाजिक न्याय का लिया संकल्प

गाजीपुर। भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक बाबू जगजीवन राम जी की जयंती रविवार को जनपद में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को याद किया। जयंती कार्यक्रम के पश्चात आरटीआई के नवनियुक्त चेयरमैन श्री विभूति राम का भव्य स्वागत भी किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित और शोषित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज की नीतियां सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत कार्य कर रही हैं, जिससे उनके आदर्शों की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने कहा कि बाबू जी का जीवन हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज में बराबरी और अधिकार की लड़ाई लड़ी, लेकिन आज देश में बढ़ती असमानता और बेरोजगारी उनके सपनों को ठेस पहुंचा रही है। वक्ताओं ने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए बाबू जी के संघर्षों को याद करते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बनाए जा रहे दबाव पर चिंता व्यक्त की।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर प्रमुख रूप से अजय कुमार श्रीवास्तव, चंद्रिका सिंह, हामिद अली, मंसूर जैदी, सतीश उपाध्याय, राशिद भाई, रईस अहमद, विभूति राम, अखिलेश यादव, आलोक यादव, चंद्रशेखर आर्य, आरती आर्य, सत्येंद्र यादव, प्रकाश राय, सतिंदर यादव, राजेश उपाध्याय, दिनेश तिवारी, दिनेश सिंहा, प्रदीप कुशवाहा, महेंद्र कुशवाहा और राहुल मौर्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खुद को आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करने वाले शातिर ठग को पुलिस ने किया गिरफ्तार. सोने की मोटी चैन भी पहना हुआ था फर्जी आईपीएस

खुद को आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करने वाले शातिर ठग को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सक्ति। टाउंदनगर थाना पुलिस ने बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए खुद को आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों से अवैध वसूली करने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित यूपी के गोरखपुर जिला निवासी 53 वर्षीय राजेश शुक्ला है। यह लोगों को डराकर पैसे ऐंठने का काम कर रहा था। मामले का खुलासा तब हुआ जब दाउदनगर के छत्तर दरवाना निवासी राकेश कुमार ने पुलिस को सूचना दी कि चावल बाजार स्थित उनके आदित्य साड़ी महल के पास एक व्यक्ति खुद को आईपीएस अधिकारी बताकर उन्हें धमका रहा है। एक लाख बीस हजार रुपये की मांग कर रहा है। यह भी बताया कि आरोपित के डर से यह पहले ही 47 हजार रूपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर चुका है। सूचना एसपी को दी गई। एसपी ने बाड़दगर एसडीपीओ अशोक कुमार दास के नेतृत्व में एक विशेष टीम (एसआईटी) का गठन कर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपित को हिरासत में लिया और आकी पहचान सत्यापित की जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि फर्जी आईपीएस अधिकारी बनकर लोगों को ठगने का काम करता था पुलिस ने आरोपित के पास से कई आपत्तिजनक और फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं। इनमें आईपीएस लिखे चार फर्जी आइकार्ड, एआईए और सीआईए के फर्जी पहचान पत्र, एक टी-शर्ट जिस पर आगे आरोपित का नाम और पीछे एनआईए लिखा हुआ बरामद हुआ। इसके अलावा पुलिस मुखबिर का परिचय पत्र, एक राजनीतिक दल का आइकार्ड, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था का नियुक्ति पत्र और खाकी रंग की दो पुलिस टोपी शामिल हैं। इन सामानों का उपयोग कर आरोपित लोगों को भ्रमित करता था। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि आरोपित के खिलाफ दाउदनगर थाना में प्राथमिकी की गई है। शुक्रवार शाम उसे न्यायिक हिरासत में कोर्ट भेजा गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि गिरफ्तार आरोपित गले में लाखों रुपये का सोने का चैन पहने हुआ है। टीम में दारोगा परमानंद कुमार याठन, अभिषेक कुमार, सुदीश कुमार, विकी कुमार शामिल रहे।

चांपा ब्लॉक में संगठन सृजन की बैठक हुई सम्पन्न

चांपा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार व जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर चांपा ब्लॉक शहर में बैठक रखी गई सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, जी के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण फूल माला धूप दीप पुष्पांजलि करते हुए कार्यक्रम की शुरुवात की गई तत्पश्चात जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, का श्री फल शाल से स्वागत ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला महामंत्री नागेंद्र गुप्ता, सेवक बूटू देवांगन, सेक्टर प्रभारी ललित देवांगन, डुग्गू प्रधान, दुर्गा कुर्रे, संजय देवांगन, रंजन केवट, ने किया प्रभारी श्री राजेन्द्र शुक्ला, स्वागत तीनो मंडल अध्यक्ष नारायण सोनी, अनिल मोदी, राज सरोज, द्वारा किया प्रभारी डॉ. काजल किरण सिंह स्वागत पार्षद अंजली देवांगन, श्रीमती शांति सोनी, अनीता प्रकाश, रामबाई, स्वर्णकार, कविता देवांगन, द्वारा श्री फल शाल भेंटकर किया गया जिसमें प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने सभी को निर्देशित करते हुए बताया कि उदयपुर संकल्प शिविर से हर बूथ हर वार्ड में कमेटी बनाकर पार्टी मजबूती प्रदान करते हुए हर कार्यकर्ता 2028 के लिए कमर कस ले और जल्द से जल्द संगठन मजबूत करके कमेटी गठित कर सूची ब्लॉक अध्यक्ष को सौंपे, वार्ड व बूथ कमेटी के संबंध में विस्तार से चांपा ब्लॉक के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ला ने उपस्थित कांग्रेसजनों को बताया और संगठन के बारे में अपनी बातें रखी प्रभारी डॉ. काजल किरण सिंह जी ने भी अपनी बातें रखते हुए उपस्थित कांग्रेसजनों को महिलाओं को संगठन में जोड़ने उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने व हर बूथ वार्ड में नारी शक्ति को जवाबदारी प्रदान करने के लिए कहा जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने अपनी बातों को विस्तार रखते हुए हर बूथ सेक्टर मंडल को अपनी अपनी सूची जल्द से जल्द बनाकर संगठन को जमा करने को कहा मंच का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी ने करते हुए उपस्थित सभी कांग्रेस जनों को विस्तार से संगठन सृजन के तहत बूथ सेक्टर मंडल वार्ड कमेटी का विस्तार संबंधित रूपरेखा कैसे तैयार की जाए और जल्द जल्द सूची बनाने निर्देशित किया कार्यक्रम का आभार मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी ने किया कार्यक्रम में मुखरूप से उपस्थित रहे राजेश अग्रवाल, प्रभारी राजेन्द्र शुक्ला, डॉ. काजल किरण सिंह, सुनील साधवानी, ओमेन्द्र सिंग, ठाकुर नारायण सोनी अनिल मोदी, राज सरोज, जिला महामंत्री नागेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष किशन सोनी, महामंत्री सेवक बूटू देवांगन, श्रीमती शांति सोनी, रामबाई स्वर्णकार, दुर्गा कुर्रे, ललित देवांगन, डुग्गू प्रधान, रंजन केवट, संजय देवांगन, भूपेंद्र चंद्रा, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राज अग्रवाल, पार्षद अनिल रत्रे, अंजली देवांगन, पुरुषोत्तम देवांगन, पवन साहू, पवन आर्य जिब्बू, गिरधर देवांगन हरदयाल तंवर, राजू शर्मा, माणिक मसीह, अनीता प्रकाश अंजुम, अंसारी, कविता देवांगन, रोहित देवांगन, संतोष अनंत, आशीष कसेर, गोविंदा वैष्णव, भगीरथी दुबे, संजय रत्नाकर, चंद्रदेव महंत, आसन दीवान, परदेशी कुर्रे, राकेश जोशी, आशुतोष गोपाल, मुहम्मद हाशिम, अरुण देवांगन, तीजाऊ राम साहू, गजेंद्र देवांगन, जफर अंसारी, राजू मुर्तजा, कीर्ति दीवान, पुनिराम देवांगन, विक्रम ओजस्वी, योगेश कुर्रे, विष्णु गाड़ा, बसंत भार्गव, छबिलाल पटेल, मुकेश साधवानी, संजय साधवानी, इतवारी यादव, राम साधवानी, गणेश विश्वास, सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़: तेंदुए की खाल तस्करी में 9 आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त टीम ने तेंदुए की खाल के साथ 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (मध्य क्षेत्र भोपाल), राज्य उड़नदस्ता दल रायपुर एवं वनमंडल बलरामपुर की संयुक्त टीम द्वारा की गई। यह अभियान छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। दिनांक 2 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर टीम ग्राम जमई (थाना बसंतपुर) के जमई मोड़ के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई। उनके पास से एक तेंदुए की खाल बरामद हुई। पूछताछ में अन्य साथियों की जानकारी मिलने पर टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से कुल 2 नग तेंदुए की खाल जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ के निवासी शामिल हैं। सभी आरोपियों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया है। मामले में परिसर रक्षक जमई द्वारा वन अपराध प्रकरण क्रमांक 22289/09, दिनांक 02.04.2026 को दर्ज किया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं—धारा 9, 39, 48(क), 50, 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि भारतीय तेंदुआ अनुसूची-1 के तहत संरक्षित वन्यप्राणी है, जिसकी तस्करी गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। सभी आरोपियों को 3 अप्रैल 2026 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वाड्रफनगर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वन विभाग ने बताया कि प्रकरण की विवेचना जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही, वन्यजीव अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

हाथियों के हमले में 14 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत, क्षेत्र में दहशत

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज-रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिनिया के चिनिया मोड़ में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जंगली हाथियों के हमले में 14 वर्षीय किशोरी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिंकी कुमारी (उम्र 14 वर्ष), पिता बंबइया, निवासी बरदरिया, अपने रिश्तेदारों के यहां ग्राम चिनिया आई हुई थी। शनिवार सुबह करीब 6 बजे वह जंगल में महुआ चुनने गई थी। इसी दौरान करीब 22 हाथियों के झुंड ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले में किशोरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के समय पास में मौजूद महावीरगंज का एक व्यक्ति किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाथियों का दल पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर रहा था, जिससे पहले से ही ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि ब्रह्मदेव सिंह और सुदामा यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहीं वन विभाग की टीम भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामानुजगंज अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जंगल क्षेत्रों में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

बलरामपुर नगर पालिका के सीएमओ के कथित ऑडियो से मचा बवाल, जनप्रतिनिधियों में आक्रोश

बलरामपुर। नगर पालिका परिषद बलरामपुर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) प्रणव राय के एक कथित ऑडियो क्लिप को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे इस ऑडियो में सीएमओ पर जनप्रतिनिधियों के प्रति अभद्र और आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग के आरोप लगाए जा रहे हैं। कथित ऑडियो में सीएमओ द्वारा जनप्रतिनिधियों को अपमानित करने, कुत्ता जैसे शब्दों का प्रयोग करने तथा मंत्री के पास शिकायत करने पर अपमानित कर वापस भेजने की बात कही जाने का दावा किया जा रहा है। साथ ही, जनप्रतिनिधियों को खुलेआम चुनौती देते हुए उनके द्वारा ट्रांसफर कराने की औकात पर सवाल उठाए जाने की भी चर्चा है। इस मामले को लेकर नगर पालिका के पार्षदों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। पार्षद अमित गुप्ता मंटू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्यकर्ताओं को परिवारजनों के समान मानते हैं, वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उन्हें देवतुल्य कहकर सम्मान देते हैं। ऐसे में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के प्रति इस प्रकार की कथित टिप्पणी बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित सीएमओ पर भ्रष्टाचार के भी गंभीर आरोप हैं और उन्हें उच्च स्तर का संरक्षण प्राप्त है।

भाजपा महामाया मंडल का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान वर्ग सफलता पूर्वक संपन्न

■ अम्बिकापुर में संगठनात्मक कौशलों पर केंद्रित 8 सत्रों का आयोजन, कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया समापन उद्बोधन तो जिलाध्यक्ष सिसोदिया ने अध्यक्षता की

अम्बिकापुर। भारतीय जनता पार्टी के महामाया मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान वर्ग उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में कुल 8 सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें संगठनात्मक विषयों, कार्य पद्धति एवं भाजपा की वैचारिक नींव पर गहन चर्चा हुई। समापन सत्र की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने की। मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने शिरकत की। वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह, महापौर मंजूषा भगत एवं सूरजपुर जिला के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल गोयल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संबोधन में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर आधारित यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को मजबूत संगठन निर्माण की दिशा में प्रेरित करेगा। हमें ग्राम-स्तरीय कार्यों से लेकर राष्ट्रीय लक्ष्यों तक पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करना होगा। भाजपा का प्रत्येक सदस्य राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित होकर 'संकल्प से सिद्धि' की ओर अग्रसर बने। जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह महाभियान वर्ग मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं के कौशल वृद्धि का महत्वपूर्ण कदम है। संगठन की मजबूती के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। आने वाले समय में इन प्रशिक्षित कार्यकर्ता सरगुजा जिले को विकास के नए आयाम प्रदान करेंगे। मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी ने स्वागत भाषण दिया। सभी सत्रों का संचालन मंडल महामंत्री संजीव वर्मा एवं निरंजन राय ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष, जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद विकास पांडेय, मधु चौदाहा, निश्चल प्रताप सिंह, जन्मेजय मिश्रा, राकेश, श्वेता गुप्ता, आकाश गुप्ता, शशिकांत जायसवाल, शिवमंगल सिंह, जितेन सोनी, आलोक दुबे, प्रियंका गुप्ता, विकास गुप्ता, निशांत सिंह, शुभांगी बिहारी, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल, अविनाश मंडल, सरिता मिश्रा, अल्पना मिश्रा, रवि विश्वकर्मा, जतिन परमार, नंदकिशोर ताम्रकार, पुष्पेंद्र शर्मा, भूपेंद्र सिंह, सतीश सिंह, अविनाश कुशवाहा, सतीश शर्मा, धर्मेंद्र द्विवेदी, मनीष सिंह, सतीश मिश्रा, सिकंदर जायसवाल, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, सुधांशु चौबे, सत्यम सिंह, अजय सारथी, रीना राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव महापुराण कथा: जीवन को दिशा देने वाली दिव्य प्रेरणा : पंडित दुर्गेश महाराज हांफा में चल रहा शिव महापुराण की कथा

बिलासपुर । तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के सकरी । राष्ट्रीय धर्माचार्य पंडित दुर्गेश शर्मा ने शिव महापुराण के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिव महापुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नही बल्कि जीवन को सही दिशा देना वाली प्रेरणादायक मार्गदर्शिका है इसमें आध्यात्मिक गहराई और जीवनउपयोगी संदेशों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। भगवान शिव की महिमा, उनके स्वरूप, भक्ति, धर्म एवं मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है शिव महापुराण का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में सुख, शांति,समृद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव महापुराण में मनुष्य को सत्य, धर्म, दया, करुणा, सेवा एवं परोपकार जैसे गुणों को अपनाने की शिक्षा दी गई है। यह ग्रंथ हमें सिखाता है कि

भगवान शिव अत्यंत दयालु एवं कृपालु है और सच्चे मन से की गई भक्ति से वे शीघ्र प्रसन्न हो जाते है। पंडित दुर्गेश जी ने कथा प्रसंग में यह बताया कि जो व्यक्ति अपने जीवन में माता – पिता, गुरु एवं समाज के प्रति सम्मान रखता है, उनके जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती है। शिव महापुराण का श्रवण करने से मनुष्य के मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते है, पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। ग्राम हांफा में शिव महापुराण की कथा श्रीमती कृष्णा पाण्डेय द्वारा पंडित छेदीलाल पाण्डेय की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया है। मुख्य यजमान के रूप में श्रीमती मीना कृष्ण कुमार दुबे कथा श्रवण कर रहे है।आज के कथा में श्रोतागण डॉ महेंद्र दुबे, चंद्रकांत उपाध्याय, मनीराम यादव, शत्रुघ्न उपाध्याय, रामखिलावन कौशिक, कौशल पाण्डेय, गोविंद यादव, मुकेश दुबे, श्यामसुंदर तिवारी,दिनेश उपाध्याय, बृजभूषण श्रीवास, संतोष पाण्डेय, शिव श्रीवास, कविता दुबे, गौरी दुबे, आशा श्रीवास, चित्रा तिवारी, बंटी कौशिक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। निकली आकर्षक झांकी : कथा प्रसंग के दौरान भगवान शिव की आकर्षक झाकी निकाली गई।

भाजपा किसान मोर्चा मंडल कार्यकारिणी घोषित राजीव कश्यप बनाए गए मंडल महामंत्री कार्यकर्ताओं में हर्ष

लुण्ड्रा । भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर एवं सरगुजा बीजेपी के जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार तथा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल निराला के सहमति एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश जायसवाल की अनुशंसा पर लुण्ड्रा मंडल अध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने किसान मोर्चा मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें राजीव कश्यप को भारतीय जनता किसान मोर्चा मंडल लुण्ड्रा का महामंत्री नियुक्त किया गया है . । एवं उपाध्यक्ष मुकेश कश्यप भानु प्रताप यादव विजय पटेल भुनेश्वर सिंह बैसाखु प्रधान दुसरा महामंत्री अभिषेक उपाध्याय तथा मंत्री हरिहर साय भोठर राम प्रभु कजूर जीतू राम नागेश सुनील गुप्ता कोषाध्यक्ष लोभन राम पैकरा सहकोषाअध्यक्ष शिवनारायण दास

कार्यालय प्रभारी प्यारेलाल गुप्ता सहप्रभारी रविशंकर यादव संवाद प्रमुख जंग साय नगेशिया सह संवाद प्रमुख उमेश पैकरा मीडिया प्रभारी नंदकिशोर पैकरा सहमीडिया प्रभारी हीराचंद यादव तथा मन की बात प्रभारी तिलक सिंह सह प्रभारी संतलाल भगत बनाए गए हैं । राजीव कश्यप ने इस जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व के लिए भारतीय जनता पार्टी मंडल लुण्ड्रा के बुथ से लेकर मंडल स्तर तक सभी श्रेष्ठ ज्येष्ठ कनिष्ठ व मित्रों सहित सभी जिला नेतृत्व पदाधिकारीयों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है। राजीव कश्यप ने कहा कि वे पार्टी की नीति रिति सिद्धांत एवं किसान हित से जुड़ी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने तथा किसानों की समस्याओं को संगठन के माध्यम से शासन-प्रशासन तक उठा उचित समाधान कराने का कार्य पूरी निष्ठा से करेंगे एवं पार्टी द्वारा दिए गए दायित्व पर पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए संगठन व पार्टी को आगे बढ़ाते हुए जिस उम्मीद व आशा से उन्हे यह दायित्व संगठन व पार्टी द्वारा सोपीं गई है उस पर खरा उतरने पूरा प्रयास सभी के सहयोग व आशीर्वाद से करेंगे।विदित हो कि राजीव कश्यप लगातार दो बार भाजयुमों महामंत्री एक बार भारतीय मजदूर महासंघ महामंत्री एवं वर्तमान में पिछले 12 वर्षों से मंडल संवाद प्रमुख का दायित्व सक्रियतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं वर्तमान में वे मन के बात के मंडल संयोजक भी है ।

कोरबा जिले में मनरेगा के तहत नवा तरिया आय के जरिया अभियान शुरू

कोरबा। जिले में जल संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवा तरिया आय के जरिया अभियान की शुरुआत की गई है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने जिला पंचायत सभागार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा विभिन्न लाइन विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीईओ श्री नाग ने जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संरचनाओं के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए नवीन तालाबों (तरिया) के निर्माण तथा उनसे जुड़े आजीविका गतिविधियों को विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के बेहतर अभिसरण से ग्रामीणों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकती है। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, मनरेगा, एनआरएलएम एवं बी आर एल एफ की कर्मदक्ष टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मोर गांव, मोर पानी, नवा तरिया आय के जरिया अभियान को राज्य शासन की मंशा के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने नवीन तालाबों के मेड़ों पर आजीविका गतिविधियों जैसे मछली पालन, उद्यानिकी एवं कृषि आधारित कार्यों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अभियान से संबंधित ऑडियो संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इस पहल से जुड़ सकें।

पंचायत स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट के फाइनल प्रतियोगिता में,बिनकरा टीम ने मारी बाजी.....

सरगुजा। सरगुजा जिले लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिनकरा पंचायत स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का में फाइनल महा मुकाबला ग्राम बिनकरा और लखनपुर टीम के मध्य खेला गया। रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सदस्य विक्रमादित्य सिंहदेव,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित सिंहदेव , रणविजय सिंहदेव ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंहदेव , युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष और जनपद सदस्य प्रतिनिधि भानु राजवाड़े, जनपद सदस्य नौतू धर्मेंद्र झरिया कोरजा सरपंच कलावती सुखसाय पोर्ते , बिनकरा सरपंच प्रीति मनोज श्याम ,बगदरी सरपंच अजय श्याम , उपसरपंच बालचंद राजवाड़े, उपस्थित रहे। अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात फाइनल मुकाबला बिनकरा और लखनपुर के मध्य खेला गया। बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए बिनकरा के टीम ने फाइनल मुकाबले में

विजेता घोषित हुए वहीं लखनपुर उपविजेता, इस दौरान उपस्थित अतिथियों के द्वारा विजेता टीम को 71हजार एवं शील्ड वहीं उपविजेता टीम को 31हजार एवं शील्ड करके सम्मानित किया गया, इस दौरान उपस्थित अतिथियों के द्वारा उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया गया इस दौरान सचिव विकास राजवाड़े, सुभाष चंद राजवाड़े, लोकनाथ राजवाड़े, बेलाश राजवाड़े, लखन राजवाड़े, रामावतार राजवाड़े, आशुतोष मिश्रा सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान अंतर्गत धंधापुर में चौपाल का आयोजन संपन्न.....

■ नवा तरिया आय के जरिया के माध्यम से ग्रामीण आजीविका संवर्धन को मिलेगा बढ़ावा जल संरक्षण और रोजगार सृजन अवसरों की दी गई विस्तृत जानकारी

बलरामपुर। बलरामपुर जिले से कलेक्टर राजेंद्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले के विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत ग्राम पंचायत धंधापुर में जल संरक्षण, भूजल रिचार्ज एवं आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मनरेगा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के समन्वय से नवा तरिया आय के जरिया अभियान के अंतर्गत संपन्न हुआ। चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को नवा तरिया के माध्यम से आय अर्जन के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। चौपाल में लोगो को बताया गया कि समूह आधारित गतिविधियों को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं। नवा तरिया के माध्यम से मछली पालन, बत्तख पालन, सिंघाड़ा की खेती, तरिया के मेड़ पर सब्जी उत्पादन तथा फलदार वृक्षारोपण कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है।

इससे जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को वर्षभर रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। साथ ही बताया गया कि खरीफ फसल के बाद रबी एवं जायद फसलों के लिए सिंचाई जल की उपलब्धता सुनिश्चित होने से किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और उनकी आय में निरंतर बढ़ोतरी संभव होगी। इस दौरान जनपद सीईओ श्री संजय कुमार दुबे, जिला एपीओ संजय यादव, कार्यक्रम अधिकारी मानसाय सिदार, तकनीकी सहायक आशुतोष सहित एनआरएलएम टीम एवं इंडियन ग्रामीण सर्विसेज की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। टीम द्वारा नवा तरिया निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करते हुए आगामी मई माह तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए सामुदायिक सहभागिता से स्थायी विकास सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवा तरिया जैसी पहलें जल संकट के समाधान के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। और सामूहिक प्रयासों से गांवों में स्थायी विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायगढ़ में अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, बाइक जब्त,आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साइबर थाना और पूंजीपथरा पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन में मुख्य आरोपी सुखदेव चौहान को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका साथी शिव नागवंशी अब भी फरार बताया जा रहा है।पुलिस ने चोरी की बाइक खरीदने वाले 9 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 21 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत संपत्ति संबंधी अपराधों पर निगरानी बढ़ाई गई थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह का खुलासा किया गया।जांच में सामने आया कि आरोपी जुलाई 2025 से मार्च 2026 के बीच रायगढ़ और ओडिशा के भीड़भाड़ वाले इलाकों से बाइक चोरी करते थे। वे पेचकस जैसे औजारों से लॉक तोड़कर वाहन चोरी करते और सुनसान स्थानों पर छिपाने के बाद उन्हें सस्ते दामों में बेच देते थे।पूछताछ में यह भी पता चला कि आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं और उन्हें वाहन मरम्मत की अच्छी जानकारी है, जिसका फायदा उठाकर वे चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

दीपक जलाते समय किस बत्ती का करें चुनाव

अक्सर हम शाम को घर के मंदिर में दीया जलाते समय बस रुई की बत्ती उठाते हैं और उसे जला देते हैं, लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि मंदिर में रखी गोल बत्ती और लंबी बत्ती का अपना अलग महत्व है? ज्योतिष और वास्तु शास्त्र की मानें तो बत्ती का चुनाव आपकी प्रार्थना और इच्छा पर निर्भर करता है। वास्तु और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लंबी बत्ती का इस्तेमाल खास तौर पर धन की देवी मां लक्ष्मी सरस्वती और कुलदेवी की पूजा में किया जाता है। मान्यता है कि लंबी बत्ती जलाने से वंश की वृद्धि होती है और घर में सुख-संपत्ति का विस्तार होता है।

लंबी बत्ती का महत्व

शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि दक्षिण दिशा की ओर मुख करके लंबी बत्ती का दीया जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं। अगर आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो मां लक्ष्मी के सामने लंबी बत्ती जलाना शुभ माना जाता है।

गोल बत्ती है शांति और स्थिरता का आधार

गोल बत्ती, जिसे 'फूल बत्ती' भी कहा जाता है, इसका उपयोग मुख्य रूप से भगवान शिव (Lord Shiva), विष्णु, हनुमान जी और अन्य देवों की नियमित पूजा में होता है। इसे स्थिरता और एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है।

कहां और क्यों जलाएं फूल बत्ती?

अगर घर में कलह रहती है, तो गोल बत्ती का दीया जलाना घर के माहौल को शांत और सकारात्मक बनाता है। अवसर अखंड दीपों में या दैनिक आरती में गोल बत्ती का प्रयोग किया जाता है ताकि मन में ईश्वर के प्रति आस्था स्थिर रहे।

दिशाओं का रखें खास ख्याल

दीया जलाते समय सिर्फ बत्ती ही नहीं, उसकी दिशा भी बहुत मायने रखती है। शास्त्रों के अनुसार:

उत्तर दिशा : इस दिशा में दीया जलाने से स्वास्थ्य लाभ और ज्ञान मिलता है।

पूर्व दिशा : आयु में वृद्धि और आरोग्य के लिए पूर्व की ओर मुख करके दीया जलाएं।

पश्चिम दिशा : इस दिशा की ओर लौ रखने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है, इसलिए इससे बचना चाहिए।

शास्त्र कहते हैं कि चाहे बत्ती गोल हो या लंबी, अगर उसे पूरी श्रद्धा और स्वच्छता के साथ जलाया जाए, तो वह ईश्वर तक आपकी प्रार्थना जरूर पहुंचाती है। बस ध्यान रखें कि खंडित दीपक का प्रयोग न करें और दीपक जलाने के बाद उसके नीचे थोड़े अक्षत (चावल) जरूर रखें।

बालों में लगा रहीं मेहंदी तो पेस्ट में मिलाएं ये 3 चीजें

सफेद बालों को नेचुरली कलर करने के लिए मेंहदी का इस्तेमाल काफी कॉमन है। मेंहदी ना सिर्फ बालों को प्राकृतिक रूप से रंगने का काम करती है, बल्कि उन्हें नेचुरली कंडीशन भी करती है। सही तरह से अगर मेंहदी का मिक्स बनाया जाए तो बालों की ग्रोथ में भी मेंहदी काफी असरदार साबित हो सकती है। अब तो वैसे भी गर्मियां शुरू हो गई हैं, ये बेस्ट टाइम है जब आप अपने बालों में मेंहदी नियमित अंतराल पर लगा सकती हैं। बस मेंहदी का पेस्ट बनाएं तो उसमें कुछ और भी चीजें एड कर दें, जिससे बालों में रंगत और शाइन भी काफी अच्छी आएगी। साथ ही बालों को गहराई से पोषण भी मिलेगा और ग्रोथ में भी काफी मदद मिलेगी। ये सभी इंग्रीडिएंट्स बालों के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। तो चलिए फटाफट से जान लेते हैं मेंहदी का पेस्ट कैसे बनाना

बालों के लिए मेंहदी का पेस्ट कैसे बनाएं?

बाजार से आप कोई भी नेचुरल मेंहदी का पैकेट खरीद कर ला सकते हैं। ध्यान रहे इंग्रीडिएंट लिस्ट जरूर चैक कर लें, इसमें केमिकल मौजूद नहीं होने चाहिए। अब 3-4 गुड़हल के फूल (हिबिस्कस) ले कर उन्हें गर्म पानी में 10 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। इसे हाथों से अच्छी तरह रगड़ेंगे तो गुड़हल का जेल बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद चुकंदर को पीसकर पेस्ट बना लें। साथ में थोड़ा सा वायपती का पानी भी पका लें। मेंहदी पाउडर में ये तीनों चीजें (गुड़हल के फूल का जेल, चुकंदर का रस और वायपती का पानी) एड करें और मेंहदी का पेस्ट बनाकर तैयार करें। आपको इसमें सादा पानी बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करना है। इसे लोहे की कढ़ाही में बनाएं और रात भर के लिए रखकर छोड़ दें। सुबह अच्छी तरह मिक्स करें और

बालों में मेंहदी कैसे अप्लाई करें?

ध्यान रखें मेंहदी को हमेशा साफ बालों में लगाना चाहिए। बालों के छोटे-छोटे पोर्शन लें और मेंहदी अप्लाई करते जाएं। पूरे बालों को जड़ से ले कर सिरे तक अच्छी तरह से मेंहदी में कवर कर दें। इसे लगाकर कम से कम 2 घंटों के लिए छोड़ दें। फिर बिना शैंपू के सिर्फ पानी की मदद से वॉश कर लें। बाल अच्छे से सूख जाएं तो सरसों के तेल की मालिश करें, फिर अगले दिन शैंपू से वॉश कर लें।

बालों में मेंहदी लगाने से क्या-क्या फायदे होंगे?

अगर आप इस तरह से मेंहदी का पेस्ट बनाकर लगाते हैं तो कई फायदे हो सकते हैं। सबसे पहले तो इससे आपके बालों में काफी खूबसूरत सा लाल रंग आता है और बाल शाइन भी करते हैं। इसके अलावा अगर आपके बाल डैमेज हो गए हैं, तो ये नेचुरल मास्क रिपेयर में काफी मदद करता है। ये नेचुरल कंडीशनर की तरह काम करता है, जिससे बाल सॉफ्ट और सिल्की होते हैं, साथ ही हेयर ग्रोथ में भी मदद मिलती है।

दही खाने से स्किन को होने वाले फायदे

दही खाना सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, लेकिन कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक होती है। कैल्शियम हड्डियों को मजबूती देता है। क्या आप जानते हैं कि दही (Dahi) खाने से त्वचा को भी ढेरों फायदे होते हैं? जी हां, दही में कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा के लिए बेहद जरूरी और फायदेमंद होते हैं। चलिए जानते हैं दही कैसे स्किन को लाभ पहुंचाता है इसमें कौन से पोषक तत्व होते हैं...

दही में मौजूद पोषक तत्व और फायदा

दही में कुछ ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण सेहत के साथ त्वचा के लिए बहुत जरूरी होते हैं। दही में कैल्शियम, गुड बैक्टीरिया यानी प्रोबायोटिक्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये इम्यूनिटी बूस्ट करते हैं। दही खाने से पाचन तंत्र में सुधार होता है। ऐसे में पेट और आंतों की सेहत दुरुस्त बनी रहती है। हड्डियों को मजबूती देता है दही। हार्ट के लिए भी हेल्दी है दही।

त्वचा के लिए दही खाने के फायदे

- जो लोग दही खाना पसंद नहीं करते हैं, वे भारी गलती कर रहे हैं। ये आपकी हड्डियों को तो स्ट्रॉन्ग बनाता ही है, त्वचा को भी कम उम्र में ही बढ़ती उम्र के लक्षणों से बचाए रखने का काम करता है।
- दही में प्रोटीन, जिंक, लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को एक्सफोलिएट करता है। गहराई से हाइड्रेट करता है, नमी प्रदान करता है। इससे स्किन की ड्राइनेस दूर होती है और त्वचा पर निखार, ग्लो आता है।
- जिन लोगों को मुंहासे होते हैं, उन्हें भी दही खाना चाहिए। दही में मौजूद गुड बैक्टीरिया पेट में हानिकारक बैक्टीरिया का सफाया कर आंतों की सफाई करते हैं। जब आंतों में जमी गंदगी बाहर निकलती है, तो इससे स्किन पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है। एक्ने, पिंपल्स से छुटकारा मिल जाता है।
- दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा से डेड स्किन सेल्स को हटाकर स्किन पर चमक लाने का काम करता है। दही से चेहरा बेदाग और चमकदार भी बनता है। स्किन सॉफ्ट बनी रहती है।
- दही के सेवन से स्किन मुलायम बनती है। नमी बरकरार रहती है। बढ़ती उम्र के लक्षणों जैसे झाइयां, झुर्रियां, पिग्मेंटेशन, फाइन लाइंस से बचाव होता है।
- दही खाने से मुंहासों का कारण बनने वाले बैक्टीरिया का नाश होता है, क्योंकि दही में प्रोबायोटिक गुण और एंटी-बैक्टीरियल तत्व मौजूद होते हैं।
- यदि आपके चेहरे पर 25-30 की उम्र में ही डार्क स्पॉट, डार्क सर्कल, पिग्मेंटेशन और गर्मियों में धूप में घूमने के कारण सनटैन हो गया है तो दही का सेवन करने के साथ ही स्किन पर फेस मास्क की तरह अप्लाई भी करें।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आप दूसरों की मदद करने में इतने व्यस्त रहेंगे कि आपका अपना काम प्रभावित हो सकता है। शत्रु आपकी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश करेंगे, इसलिए सतर्क रहें। जीवनसाथी की सेहत में गिरावट चिंता का कारण बन सकती है।

वृषभ राशि - सुखद परिणाम वाला दिन है। संतान की ओर से उत्साहजनक खबर मिलेगी। यदि स्वास्थ्य खराब चल रहा था, तो सुधार होगा। घर में मेहमानों के आने से रौनक रहेगी और किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर मिलेगा। खर्चों पर आपका नियंत्रण रहेगा।

मिथुन राशि - आज उन्नति के मार्ग खुलेंगे। नई संपत्ति मिलने के योग हैं, लेकिन कागजी कार्रवाई में सावधानी बरतें। कार्यस्थल पर वर्कलोड बढ़ सकता है जिससे परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल होगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें।

कर्क राशि - अचानक आर्थिक लाभ होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार के सदस्यों के करियर से जुड़ा कोई भी फैसला जल्दबाजी या भावुकता में न लें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सेहत को लेकर किसी भी तरह की अनदेखी करना भारी पड़ सकता है।

सिंह राशि - सरकारी क्षेत्र के कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश के लिए दिन जोखिम भरा हो सकता है, पैसा फंसने की संभावना है। काम की अधिकता से थकान होगी लेकिन रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। छात्रों को प्रतियोगिता में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कन्या राशि - आनंददायक दिन रहेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यदि किसी को उधार दिया था, तो वह पैसा वापस मिल सकता है। लव लाइफ में मतभेद हो सकते हैं, इसलिए अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें। छात्रों को शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

तुला राशि-आज का दिन उपलब्धियों भरा रहेगा। आय के नए स्रोत मिलेंगे और काफी समय से अटका हुआ काम पूरा होगा। जीवनसाथी का सानिध्य मन को खुश रखेगा। मौसम के बदलाव के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, सर्दी-खांसी से बचें।

वृश्चिक राशि – आर्थिक लाभ के लिए बेहतरीन दिन है। आमदनी बढ़ने से कर्ज चुकाने में सफल रहेंगे। प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य के द्वार खोलेगी। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय सुखद है और संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

धनु राशि– सांसारिक सुख-साधनों में वृद्धि होगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। जरूरी चीजों की खरीदारी पर खर्च होगा। हालांकि, नए शत्रु पैदा हो सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं को गुप्त रखें और पार्टनर से विवाद से बचें।

मकर राशि - अनुकूल दिन है। कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं का लाभ उठाएंगे। शाम तक कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। दोस्तों के साथ मनोरंजन और सुरुचिपूर्ण भोजन का आनंद लेंगे। वाहन चलाते समय सावधानी बरतना अनिवार्य है।

कुंभ राशि- व्यस्तता भरा दिन रहेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता और भागदौड़ हो सकती है। प्रॉपर्टी के काम में लाभ मिलेगा, लेकिन कागजों पर बिना पढ़े हस्ताक्षर न करें। किसी मित्र को सोच-समझकर ही कोई वादा करें।

मीन राशि- बिजनेस के लिए बहुत सुखद दिन है। लंबे समय से अटकी डील आज फाइनल हो सकती है। माता-पिता के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। छात्रों को मानसिक बोझ से राहत मिलेगी और प्रतियोगिता में सफलता हासिल होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

खूब चटपटा सा लौकी का रायता

लौकी का चटपटा सा रायता कैसे बनाएं?

लौकी का रायता बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं - लौकी (1 मीडियम साइज), साबुत लाल मिर्च (3-4), लहसुन की कलियां (2-3), हरा धनिया पत्ता, गाढ़ी दही (1 कप), नमक (स्वादानुसार), भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, जीरा और सरसों का तेल।

गर्मियों में लौकी का रायता सबसे बेस्ट रहता है। ये आसानी से पचता भी है और सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। अब एक तरीका तो ये है कि आप सिंपल सा लौकी का रायता बना लें, लेकिन अगर थोड़ा चटपटा पसंद करती हैं तो आज वाली रेसिपी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए। स्पेशल तड़का और कुछ मसाले मिलाकर इतना टेस्टी लौकी का रायता बनता है कि दो की भूख में चार रोटी खाई जा सकती हैं।

गर्मियों में कुछ हल्का-फुल्का और चटपटा सा खाने का मन है तो लौकी का रायता बना सकती हैं। इसे बनाना भी आसान है और ये कुछ ही मिनटों में बन भी जाता है। इसके लिए सबसे पहले लौकी को छीलकर मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। अब लौकी को प्रेशर कुकर में डालें और साथ ही पानी भी मिलाएं। आपको लौकी को अच्छी तरह उबालने के लिए रख देना है, ताकि ये बिल्कुल सॉफ्ट हो जाए। तब तक मुट्ठीभर ताजा हरा धनिया, साबुत लाल मिर्च और लहसुन की कलियां लें और थोड़ा सा पानी मिलाकर किसी खलबट्टे में अच्छी तरह कूटकर दरदरा सा पेस्ट बना लें। अगर आप लहसुन नहीं खाते हैं तो स्किप कर सकते हैं। अब उबली हुई लौकी को भी खलबट्टे में दरदरा सा पीस लें। एक पतला सा पेस्ट बन जाएगा। अब एक बाउल में फ्रेश दही लें और उसे अच्छी तरह फेंट लें। इसमें लौकी का पेस्ट मिलाएं और साथ ही धनिया, लाल मिर्च और लहसुन का जो पेस्ट आपने बनाया था, उसे भी एड कर दें। स्वादानुसार नमक, भुना जीरा पाउडर और काली मिर्च का पाउडर एड करें। सभी चीजों को आपस में अच्छी तरह मिक्स कर लें। तड़के के लिए थोड़ा सा सरसों का तेल गर्म करें, उसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालें। रायते में इसका तड़का लगा लें, बहुत ही चटपटा और टेस्टी सा लौकी का रायता बनकर रेडी हो जाएगा।

ऐसे करें अपनी डाइट में नमक को बैलेंस

हमारे शरीर को सही तरीके से काम करने के लिए बहुत ही कम मात्रा में सोडियम की जरूरत होती है, लेकिन इसकी अधिकता ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकती है। हम घर पर ही नहीं बाहर खाने के दौरान भी छोटे-छोटे ट्रिक्स से नमक के इनटेक को नियंत्रित कर सकते हैं।

जब घर पर खा रहे हों

हमेशा फ्रेश फूड्स ही चुनें, जैसे फल और सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स कैन या पैकेट वाली चीजों को सीमित कर दें। अपने खाने का स्वाद पार्सले, धनिया, पुदीना, बेसिल, लहसुन जैसे ताजे या ड्राई हर्ब्स की मदद से बढ़ाने की कोशिश करें। दालचीनी, इलायची, जीरा, कालीमिर्च, करी पाउडर जैसे हेल्दी मसाले इस्तेमाल करें। नमक या सॉस मिलाने से पहले अपना खाना चखकर देखें। अपने टेस्ट बड को कम नमक वाला खाना खाने की आदत डालें। कुकिंग के दौरान अपने खाने में नमक और सॉसेस की मात्रा को धीरे-धीरे कम करने की कोशिश करें। ज्यादा नमक वाले स्नैक्स जैसे आलू के चिप्स या सॉल्टेड नमकीन की जगह ताजे फल या ड्राइड फ्रूट्स, अनसॉल्टेड नट्स लें

बाहर खाने के दौरान इन बातों का रखें ख्याल

रेस्टोरेंट में कम नमक या बिना ग्रेवी वाली चीजें ऑर्डर करें। आप शेफ से कम नमक या सॉस में खाना बनाने के लिए कह सकते हैं। अगर आपने सॉफ्ट ड्रिंशेज ऑर्डर की हैं तो फिर अलग से सूप लेने से बचें। अपने खाने में ऊपर से सॉस या टेबल सॉल्ट ना मिलाएं। फ्लेवर्ड राइस की जगह प्लेन राइस ऑर्डर करें।

सेहत के प्रति सजग उपभोक्ताओं के लिए बेहतरीन ड्रिंक

भारत की अग्रणी नैचुरल हेल्थ एवं आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से देश के पसंदीदा पैकेज्ड फ्रूट ज्यूस ब्राण्ड रियल ने रियल एक्टिव फ्रूट ज्यूस के साथ उपभोक्ताओं को पोषण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है- फ्रूट ज्यूस को इस स्वादिष्ट और रिफ्रेशिंग रेंज में अतिरिक्त चीनी का इस्तेमाल नहीं किया जाता। आज के दौर में उपभोक्ता जीवनशैली के सेहतमंद विकल्पों अपना रहे हैं, ऐसे में रियल एक्टिव ने भारत के हाइड्रेटेड रहने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है।

फलों के गुणों से भरपूर रियल एक्टिव को बनाने में अतिरिक्त चीनी और बिना अतिरिक्त प्रीजरवेटिव्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, ऐसे में यह गर्मियों के इस सीजन आपको हाइड्रेटेड और रिफ्रेश्ड बनाए रखने के लिए बेहतरीन है- आप चाहें सुबह के नाश्ते से लेकर दिन में स्नैकिंग तक किसी भी तरह इसका इस्तेमाल कर सकते हैं गर्मियों में तापमान बढ़ने के साथ आपने आप को हाइड्रेटेड रखना और भी ज़रूरी हो जाता है। सोडा और कोला में फिज़ होती है, साथ ही इनमें 5 क्यूब अतिरिक्त चीनी भी होती है, इसके अलावा ये ड्रिंक्स किसी भी तरह से पौष्टिक नहीं है, इनके हर ग्लास में कैलोरीज़ के अलावा और कुछ नहीं होता। वहीं दूसरी ओर रियल एक्टिव फलों के गुणों से भरपूर रियल एक्टिव में जीरो एडेड शुगर और नो एडेड प्रीजरवेटिव्स का इस्तेमाल तत्वों से भरपूर हो। फलों के गुणों से भरपूर बिना चीनी के बना रियल एक्टिव उपभोक्ताओं की इन सभी उम्मीदों पर खरा उतरता है। तो आप साल भर रियल एक्टिव रेंज के साथ फलों के पोषण और स्वाद का लुत्फ़ उठा सकते हैं। इसका हर वेरिएन्ट- एप्पल से लेकर ऑरेंज, पॉमेग्रेनेट, क्रैनबेरी और मिक्स्ड फ्रूट- फलों का असली स्वाद देता है। इस तरह आप फलों को काटने और छीलने के झंझट से छुटकारा पाकर हर मौसम में अपने पसंदीदा फलों का लुत्फ़ उठा सकते हैं। आप सुबह के नाश्ते साथ पौष्टिक ज्यूस पीना चाहते हैं, चीनी से भरे कोला के बजाए को पौष्टिक ड्रिंक चाहते हैं या दिन में रिफ्रेश होना चाहते हैं, रियल एक्टिव बेहतरीन पौष्टिकता का अनुभव प्रदान करने के लिए अपने जूस को बड़ी सावधानी से तैयार किया है। चाहे आपके नाश्ते के साथ हो, वर्कआउट के बाद ताजगी की जरूरत हो, या दोपहर के खाने में अधिक कैलोरी वाले सोडा के विकल्प के रूप में इसे चुनना हो— रियल एक्टिव आपकी जीवनशैली में पूरी तरह समा जाता है। यह भीषण गर्मी और उमस भरे दिनों में आपके शरीर के लिए आवश्यक हाइड्रेशन सुनिश्चित करता है।" मिस मोनिशा पाराशर, जी.एम. मार्केटिंग- फूड्स, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा रियल एक्टिव फ्रूट ज्यूस देश भर में सभी अग्रणी रीटेल स्टोर्स, सुपर मार्केट्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

हज यात्रियों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर, तकियापारा में 150 हाजियों ने सीखे हज के अरकान और एहराम बांधने के तरीके

दुर्ग। छत्तीसगढ़ दावते इस्लामी के तत्वावधान में शनिवार को दुर्ग के तकियापारा स्थित मुस्लिम कम्युनिटी हॉल में हज यात्रियों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दुर्ग और आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 150 हज यात्रियों ने शिरकत की, जिन्हें हज यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और धार्मिक प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में हाजियों को विशेष रूप से 'एहराम' (हज के दौरान पहने जाने वाले विशेष वस्त्र) बांधने का सही तरीका सिखाया गया। धार्मिक रीति-रिवाज: दावते इस्लामी के प्रशिक्षकों ने हज के दौरान किए जाने वाले विभिन्न 'अरकान' (अनिवार्य प्रक्रियाओं) को बारीकी से समझाया, ताकि यात्रियों को सऊदी अरब में किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े। महिला-पुरुष सहभागिता: इस प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष हज यात्री शामिल हुए। सभी ने उत्साहपूर्वक जानकारी हासिल की और कहा कि यह सत्र उनकी आगामी पवित्र यात्रा के लिए बेहद मददगार साबित होगा। दावते इस्लामी के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य हज यात्रियों को यात्रा के दौरान आने वाली तकनीकी और धार्मिक उलझनों से मुक्त करना है। कम्युनिटी हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में अनुभवी प्रशिक्षकों ने हाजियों के सवालों के जवाब भी दिए।

अधिवक्ता संघ चुनाव : दुर्ग जिला न्यायालय में 1700 वकीलों ने किया मतदान

64 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में कैद

दुर्ग। दुर्ग जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव के लिए भारी उत्साह के साथ मतदान संपन्न हुआ। सुबह से ही न्यायालय परिसर में गहमागहमी का माहौल रहा और अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।चुनाव की मुख्य बातें:कुल मतदाता: लगभग 1700 अधिवक्ताओं ने वोट डाले.प्रत्याशी: कुल 17 पदों के लिए 64 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनमें अध्यक्ष पद के लिए 8 दावेदार शामिल हैं.सुरक्षा और व्यवस्था: निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए परिसर में 7 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहाँ चुनाव अधिकारियों की कड़ी निगरानी में प्रक्रिया पूरी हुई.प्रमुख मुद्दे: चुनाव में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, बैठने की व्यवस्था और पार्किंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर जोर दिया गया.मतगणना का कार्यक्रम:चुनाव अधिकारियों के अनुसार, मुख्य पदों के लिए मतों की गिनती 5 अप्रैल (रविवार) को शुरू होगी, जबकि कार्यकारिणी सदस्यों के लिए मतगणना 6 अप्रैल को की जाएगी. परिणामों की घोषणा मतगणना के तुरंत बाद की जाएगी, जिससे संघ के नए नेतृत्व का फैसला होगा।

कंचन सेंद्रे के नेतृत्व में ट्रांसजेंडर समुदाय का दिल्ली कूच, जंतर-मंतर पर गूंजेगी विरोध की आवाज

ट्रांसजेंडर बिल के प्रावधानों के खिलाफ दुर्ग-भिलाई से 20 सदस्यीय टीम रवाना,आत्मसम्मान और पहचान की रक्षा की मांग

भिलाई/दुर्ग। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पारित ट्रांसजेंडर बिल को लेकर देशभर के उभयलिंगी समुदाय में भारी आक्रोश है। इसी विरोध की कड़ी में छत्तीसगढ़ की जानी-मानी ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट कंचन सेंद्रे के नेतृत्व में दुर्ग-भिलाई क्षेत्र से 20 सदस्यीय दल दिल्ली के लिए रवाना हुआ है। यह दल 6 अप्रैल को देश की राजधानी स्थित जंतर-मंतर पर आयोजित होने वाले विशाल विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करेगा।

बिल के प्रावधानों पर उठ रहे सवाल–रवाना होने से पूर्व कंचन सेंद्रे ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान स्वरूप में यह बिल ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों, आत्मसम्मान और स्वतंत्र पहचान के लिए बड़ी चुनौती पेश करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल के कई प्रावधान समुदाय की स्वायत्तता को सीमित करते हैं, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन के जरिए संशोधन की मांग–दल में ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ समाज के वे सहयोगी भी शामिल हैं जो लंबे समय से इनके अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कंचन सेंद्रे ने स्पष्ट किया कि जंतर-मंतर पर होने वाला प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा। उनकी मुख्य मांग है कि सरकार इस बिल में आवश्यक संशोधन करे और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की वास्तविक जरूरतों व जमीनी हकीकत को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाए।

दिल्ली पहुंचे कार्यकर्ता, जनसंवाद शुरू–दिल्ली पहुंचने के बाद टीम ने जंतर-मंतर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। वहां मौजूद देश के अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर टीम इस बिल से होने वाले संभावित नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा कर रही है। छत्तीसगढ़ से गया यह दल पूरे देश के सामने राज्य के ट्रांसजेंडर समुदाय की चिंताओं को प्रमुखता से रखेगा।

नेशनल व इंटरनेशनल कुश्ती के लिए भूमि पूजन संपन्न,सांसद विजय बघेल ने की पूजा-अर्चना

सिविक सेंटर के साइकिल पोलो ग्राउंड में जुटेंगे देश-विदेश के 1500 पहलवान, 28 राज्यों की टीमें लेंगी हिस्सा

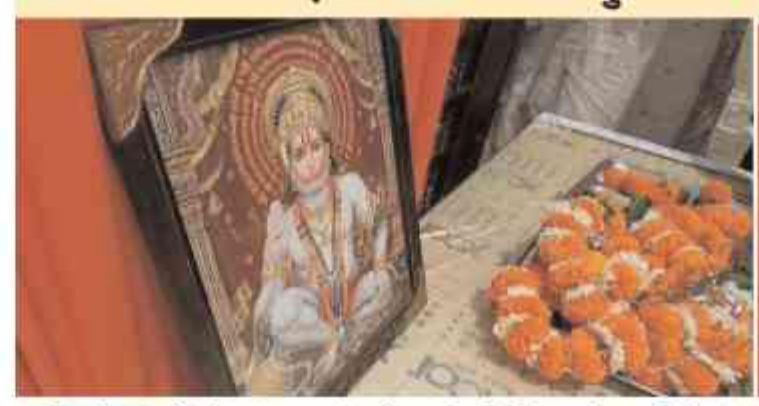

भिलाई। स्टील सिटी भिलाई एक बार फिर बड़े खेल आयोजन का गवाह बनने जा रही है। सिविक सेंटर स्थित साइकिल पोलो ग्राउंड में आयोजित होने वाली आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। आज इस आयोजन के लिए विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ, जिसमें दुर्ग सांसद विजय बघेल ने विशेष रूप से उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की और प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत की।

28 राज्यों के पहलवान दिखाएंगे दम–आयोजन समिति के अनुसार, इस महाकुंभ में भारत के 28 राज्यों से महिला और पुरुष पहलवान अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करने भिलाई पहुंचेंगे। अनुमान है कि करीब 1500 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगे। खिलाड़ियों की संख्या और आयोजन के स्तर को देखते हुए भिलाई के खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सांसद ने दी शुभकामनाएं, पुख्ता इंतजाम का दावा–भूमि पूजन के अवसर पर सांसद विजय बघेल ने आयोजकों को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है। आयोजकों ने दावा किया है कि बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है ताकि प्रतियोगिता का संचालन निर्बाध रूप से हो सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं की रही मौजूदगी–इस कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और आयोजन समिति के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। साइकिल पोलो ग्राउंड को अब कुश्ती के अखाड़े के रूप में तैयार किया जा रहा है, जहाँ जल्द ही दांव-पेच का रोमांच देखने को मिलेगा।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र एफएलएन शिक्षक सम्मान समारोह में हुए शामिल

100 उत्कृष्ट शिक्षको को सम्मानित किया

दुर्ग / स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज खालसा पब्लिक स्कूल में आयोजित एफएलएन सह नवाचारी वार्षिकी शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए एफएलएन (मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता) कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि बच्चे पढ़ने, लिखने और बोलने में दक्ष बन सकें। उन्होंने कहा कि जितनी मजबूत प्रारंभिक शिक्षा होगी, बच्चा उतनी ही अधिक तरक्की करेगा। बच्चों की नींव शिक्षकों के हाथ में होती है, इसलिए स्कूलों में नए शिक्षण तरीकों और गतिविधि आधारित शिक्षा को अपनाया जा रहा है। मंत्री श्री यादव ने एफएलएन के तहत शिक्षकों के अनुभवों पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। साथ ही शिक्षा में नवाचार कर विद्यार्थियों को पढ़ने, लिखने और बोलने में दक्ष बनाने वाले 100 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में बस्तर के 10, बिलासपुर के 30, दुर्ग के 26, रायपुर के 18 और सरगुजा के 16 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एससीईआरटी के डायरेक्टर के. कुमार, शिक्षा विभाग के पूर्व संचालक आशुतोष चावरे, डीईओ अरविंद मिश्रा, सुनील मिश्रा, एफएलएन प्रभारी शबनम खान, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र लोढ़ा तथा कमलेश फेकर सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रिसाली में बड़ा हादसा: बिजली लाइन सुधारते समय करंट की चपेट में आने से ठेका श्रमिक की मौत

भिलाई/ रिसाली, 05 अप्रैल। रिसाली नगर निगम क्षेत्र के गणेश नगर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहाँ बिजली लाइन सुधारने के दौरान करंट की चपेट में आने से 22 वर्षीय ठेका श्रमिक रोशन कुमार देवांगन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में मातम का माहौल है और सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करने का आरोपमृतक रोशन कुमार देवांगन रिसाली निगम में अनस्किल्ड (अकुशल) लाइनमैन के रूप में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, शनिवार को वह गणेश नगर में चालू बिजली लाइन पर सुधार कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक वह हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसने वहीं दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही नेवई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विभागीय जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

नाला और सड़क निर्माण के नाम पर तोड़े गए घर, 20 दिन से काम बंद; सांप-बिच्छू और गंदगी के साये में कट रही रातें

विकास के नाम पर उजाड़ा आशियाना,अब नारकीय जीवन जीने को मजबूर संजय नगर के लोग

भिलाई। भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 6, संजय नगर श्रमिक बस्ती से निगम प्रशासन की संवेदनहीनता का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ नाला और सड़क निर्माण के नाम पर करीब 15-20 दिन पहले गरीब परिवारों के घरों के कुछ हिस्सों पर बुलडोजर चलाकर तोड़फोड़ की गई थी। कार्रवाई के इतने दिन बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे पूरी बस्ती टापू में तब्दील हो गई है।

सांप-बिच्छू का बना बसेरा, दहशत में परिवार–स्थानीय निवासियों का कहना है कि घर टूटने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही पक्का नाला और सड़क बन जाएगी, जिससे उनकी समस्या दूर होगी। लेकिन फिलहाल स्थिति इसके उलट है। अधूरा खुदा हुआ नाला अब बीमारियों और हादसों का केंद्र बन गया है। नाले की गंदगी और बदबू से बस्ती का माहौल खराब हो रहा है। सबसे डरावनी बात यह है कि खुले नाले से जहरीले सांप, बिच्छू और कीड़े-मकोड़े सीधे लोगों के घरों में घुस रहे हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर महिलाएं दिन-रात दहशत में हैं।

असामाजिक तत्वों का जमावड़ा, प्रशासन मौन–बस्ती की महिलाओं ने आरोप लगाया कि सड़क और नाले का काम बंद होने के कारण आवाजाही बाधित है, जिसका फायदा उठाकर रात के समय असामाजिक तत्व यहाँ सक्रिय हो जाते हैं। चोरी और लूटपाट की आशंका से लोग रात भर सो नहीं पा रहे हैं। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने वार्ड पार्षद से लेकर नगर निगम के अधिकारियों और यहाँ तक कि कलेक्टर कार्यालय में भी गुहार लगाई है, लेकिन अब तक किसी ने उनकी सुध नहीं ली है।

जनता का सवाल: हमारा कसूर क्या–संजय नगर के श्रमिकों का सवाल है कि यदि निर्माण कार्य तुरंत शुरू नहीं करना था, तो उनके आशियाने क्यों उजाड़े गए? एक तरफ घर टूटने का गम और दूसरी तरफ नरक जैसी जिंदगी, प्रशासन की इस कार्यप्रणाली ने गरीब परिवारों को सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com